हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 26, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 24 जुलाई, 2023 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

गुजरात में भारी बारिश से बिगड़े हालात, बाढ़ जैसी बनी स्थिति, अमित शाह ने CM भूपेन्द्र पटेल से लिया जायजा

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण राज्य के विभिन्न हिस्सों में उत्पन्न बाढ़ जैसी स्थिति के बारे में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से बात की। इसके अलावा अमित शाह ने दिल्ली के एलजी वी.के.सक्सेना से भी यमुना नदी के जल स्तर को लेकर चर्चा की है। अमित शाह ने ट्वीट के जरिए इसकी जानकारी दी और कहा कि जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए पर्याप्त संख्या में एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें उपलब्ध हैं। गुजरात के कई जिलों में हो रही मूसलाधार बारिश को लेकर राज्य सरकार

अलर्ट मोड पर है। 22 जुलाई को मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने लगातार बारिश के बाद राज्य में स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। गुजरात के दक्षिण और सौराष्ट्र क्षेत्रों में बारिश का सबसे ज्यादा कहर बरपा है, जिससे शहरी इलाकों में बाढ़ आ गई है। बांधों और नदियों में जल स्तर खतरनाक स्तर तक बढ़ने से गांव अलग-थलग पड़ गए। बारिश के कारण नवसारी में भयंकर जलभराव और यातायात भी बाधित हो गया है। बारिश के कारण गुजरात के राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर भी यातायात जाम हो गया है। आईएमडी के अनुसार, 24 जुलाई को सौराष्ट्र और कच्छ में हल्की/मध्यम से लेकर व्यापक वर्षा के साथ कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है। जूनागढ़, जामनगर, देवभूमि द्वारका, कच्छ, सूरत, वलसाड, नवसारी और सूरत के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है।

होम्योपैथिक चिकित्साधिकारियों के गलत तबादले होंगे निरस्त, जिम्मेदारों पर होगी कार्रवाई

लखनऊ। होम्योपैथिक चिकित्साधिकारियों, वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्साधिकारियों, जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारियों व फार्मासिस्टों के गलत ढंग से हुए तबादले निरस्त करने की तैयारी की जा रही है। खासकर आकांक्षी जिलों व दिव्यांग इत्यादि के लिए बने नियमों का पालन न होने से सवाल खड़े हो रहे हैं। विभागीय अधिकारियों ने इस गड़बड़ी के लिए होम्योपैथी निदेशालय में तैनात कनिष्ठ सहायक रघुवर तिलक को दोषी मानते हुए उसे निर्लंबित कर दिया है, लेकिन अभी और जिम्मेदारों पर कार्रवाई होना तय है। निदेशक होम्योपैथी डा. अरविंद कुमार वर्मा की ओर से जारी निलंबन आदेश में स्पष्ट लिखा गया है कि इस बाबू ने उच्चाधिकारियों को गलत सूचनाएं दी और गुमराह किया। अब सवाल यह उठ रहे हैं कि स्थानांतरण नीति के तहत तबादले के आदेश जारी होने से पहले उसकी स्क्रीनिंग किसी अधिकारी द्वारा क्यों नहीं की गई। जिलों से लगातार गड़बड़ियों की आ रही शिकायतों पर शासन की सख्ती के बाद ही कदम उठाया गया। बीते 30 जून को 151 होम्योपैथिक चिकित्साधिकारियों, छह जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारियों, 33 वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्साधिकारियों और करीब 150 फार्मासिस्टों के स्थानांतरण किए गए और उसी दिन कई का संशोधन भी किया गया।

स्वास्थ्य योजनाओं में मिलेगा 100 फीसदी कवरेज, केंद्र सरकार शुरू करेगी 'आयुष्मान भवः' कार्यक्रम

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय प्रत्येक इच्छित लाभार्थी तक सभी राज्य-संचालित स्वास्थ्य योजनाओं की सर्वोत्तम व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए 'आयुष्मान भवः' कार्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत आयुष्मान आपके द्वार 3.0, आयुष्मान सभा, आयुष्मान मेला और आयुष्मान ग्राम जैसी कुछ गतिविधियों की योजना बनाई गई है। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, इस अभियान का उद्देश्य सभी स्वास्थ्य योजनाओं का व्यापक और पूरी तरह से कवरेज सुनिश्चित करना है, ताकि प्रत्येक पात्र लाभार्थी इसका लाभ उठा सके। सूत्रों ने कहा, आयुष्मान आपके द्वार एक और दो अभियान सफलतापूर्वक संचालित किए गए हैं।

आयुष्मान आपके द्वार 3.0 के तहत पूर्ण संतृप्ति सुनिश्चित करने के लिए एक अगस्त से सघन अभियान शुरू होगा। उन्होंने कहा कि आयुष्मान सभा केंद्र और राज्य सरकारों की सभी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ लक्षित लाभार्थियों तक सुनिश्चित करने के लिए ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण समिति के नेतृत्व में एक ग्राम-स्तरीय अभियान शुरू होगा। उन्होंने कहा कि इससे प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना

(पीएमजेएवाई) स्वास्थ्य बीमा योजना कार्डों के महत्व और उनके वितरण एवं आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (एबीएचए) नंबर तैयार करने के बारे में जागरूकता भी बढ़ेगी। यह अभियान लोगों को स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों के माध्यम से गैर-संचारी रोगों और सिकल सेल रोग के लिए स्क्रीनिंग सेवाओं के उपयोग के महत्व के बारे में और क्षय रोग के उन्मूलन जैसे संचारी रोगों के बारे में जागरूक करने में भी मदद करेगा। एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि ये ग्राम सभाएं प्रजनन और बाल स्वास्थ्य मुद्दों, टीकाकरण, पोषण और एनीमिया के बारे में जागरूकता पैदा करने में भी मदद करेंगी। इसके अलावा, वे एबी-एचडब्ल्यूसी में प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित अपने मुद्दों और चिंताओं को व्यक्त करने के लिए समुदाय के प्रति स्वास्थ्य प्रणालियों की सामाजिक जवाबदेही को बढ़ावा देंगे। प्रत्येक गांव में आयुष्मान सभाएं आयोजित की जाएंगी जहां पीएमजेएवाई कार्ड वितरित किए जाएंगे और क्षेत्र में पीएमजेएवाई पैनल वाले अस्पतालों के बारे में जानकारी प्रदान की जाएगी।

इस योजना के तहत उपचार के सभी पैकेजों का लाभ उठाया जा सकता है। आयुष्मान भवः कार्यक्रम का तीसरा स्तंभ आयुष्मान मेला, आयुष्मान भारत स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों (एबी-एचडब्ल्यूसी) के स्तर पर आयोजित किया जाएगा। इसके तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर मेडिकल कॉलेजों में चिकित्सा शिविर भी आयोजित किए जाएंगे।

राज्यमंत्री ने की बाढ़ पीड़ितों को वितरीत की राहत सामग्री, कहा- भाजपा सरकार करेगी हानि की भरपाई

बड़गांव। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में लोग बाढ़ से प्रभावित रहे। नदियों का जलस्तर बढ़ने से नदियों का पानी घरों में घुस आया। लोगों को इस बाढ़ के चलते काफी परेशानी और नुकसान हुआ। इसको देखते हुए रविवार को राहत चौपाल लगाया गया। इस चौपाल के अंतर्गत लोनिवि मंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने बाढ़ पीड़ित लोगों को राहत सामग्री वितरित की। लोगों को मदद का आश्वासन देते हुए मंत्री जी ने राहत सामग्री भेंट की। इससे पहले मंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने कहा कि बाढ़ की सूचना मिलने पर सबसे पहले मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने सहारनपुर का दौरा किया। कहा कि भाजपा की सरकार चाहे किसान की फसल हानि हुई हो या मजदूर की मकान हानि, पशु हानि हुई हो या जन हानि बाढ़ से हुई हर हानि की भरपाई करेगी। भ्रष्टाचार को मुख्यमंत्री बर्दाश्त नहीं करते हैं और मै भी नही छोड़ूंगा। फसलें सूखने पर उन्होंने कहा कि हम पहले ही बाढ़ में आये पानी की सेंपल लेकर टेस्टिंग करा रहे हैं। जल्द ही इस नुकसान पर भी सरकार बड़ा फैसला लेगी। एसडीएम संगीता राघव ने विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देते कहा कि तीन विभाग मिलकर किसानों की फसल हानि, पशु हानि व जनहानि के सर्वे में लगे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, कोविड में गुजरे पिता के अकेले बच्चे की सहायता, अगर बेटी केवल एक ही है भाई नहीं है उसके लिए योजना है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना धान के लिए योजनाओं की जानकारी दी। कहा कि बहुत जल्द जिले में हुए नुकसान की रिपोर्ट शासन को भेजी जायेगी। चौपाल में पचास पीड़ितों को राहत सामग्री के बैग वितरित किये गये। चौपाल में कृषि विभाग के ललित कुमार। पशुपालन विभाग के डा तिरथपाल, बाल विकास पुष्टाहार रेखा, तहसीलदार नितिन राजपूत, खंड विकास अधिकारी राकेश कुमार, स्वास्थ्य विभाग डा मनोज, महेशपुर के प्रधान कमल सिंह, मिजार्पुर प्रधान बिजेंद्र सिंह,शिमलाना प्रधान काक्का,चंदपुर प्रधान मुकेश कुमार सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मुद्दे पर न हो राजनीति अनुराग ठाकुर ने हाथ जोड़कर विपक्ष से किया अनुरोध

नई दिल्ली। मणिपुर में जातीय हिंसा को लेकर संसद के मॉनसून सत्र में गतिरोध बरकरार रहने के बीच केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को विपक्षी दलों से हाथ जोड़कर अपील की कि वह इस मुद्दे पर बहस में शामिल हो। ठाकुर ने विपक्ष से पूर्वोत्तर राज्य में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करने का भी आग्रह किया। मणिपुर के हालात पर विपक्षी दलों ने सोमवार को संसद में संयुक्त विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई है। वे इस मुद्दे पर चर्चा शुरू करने से पहले संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बयान की मांग कर रहे हैं। वहीं, केंद्र सरकार इस बात पर जोर दे रही है कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि गृह मंत्री अमित शाह बोलेंगे।

अनुराग ठाकुर ने कहा, "महिलाओं के खिलाफ अत्याचार दर्दनाक हैं, चाहे पीड़ित किसी भी राज्य से हो। ऐसी घटनाओं पर

अंकुश लगाना राज्य की जिम्मेदारी है।" उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं पर अत्याचार के मुद्दे पर चर्चा की इच्छुक है, जो राजस्थान, बिहार, पश्चिम बंगाल और मणिपुर जैसे राज्यों में हुआ है। भाजपा नेता ने कहा, "हम चाहते हैं कि सदन में इस पर अच्छी चर्चा हो, जिसमें सभी राजनीतिक दल भाग लेंगे। किसी को भी बहस से भागना नहीं चाहिए। मेरा विपक्ष से हाथ जोड़कर अनुरोध है कि वे चर्चा से न भागे।" उन्होंने कहा कि विपक्ष को ऐसे मुद्दों का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए और संसद में चर्चा में शामिल होना चाहिए। मणिपुर मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर ठाकुर ने कहा, "विपक्ष चर्चा में बने रहने के लिए यह सब करता है, लेकिन चर्चा में शामिल होने के लिए कुछ नहीं करता है।"

वनखंडी नाथ मंदिर के पास अराजकतत्वों ने कांवड़ियों पर किया पथराव; माहौल बिगाड़ने की कोशिश

बरेली। बरेली में सावन के तीसरे सोमवार से पहले माहौल खराब करने की कोशिश की गई। वनखंडी नाथ मंदिर के पास रविवार दोपहर को अराजकतत्वों ने कांवड़ियों पर पथराव कर दिया, जिससे अफरातफरी मच गई। घटना का वीडियो भी वायरल हुआ है। सूचना मिलते ही भारी पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गया है। घटना से कांवड़ियों में आक्रोश है। इलाके में पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया है। वनखंडी नाथ मंदिर शहर के प्रमुख नाथ मंदिरों में से एक है। यहां सावन के हर सोमवार को हजारों की संख्या में कांवड़िये पहुंचते हैं। तीसरे सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए कांवड़ियों के जत्थे पहुंचने शुरू हो गए। रविवार को कांवड़ियों का जत्था वनखंडी नाथ मंदिर जा रहा था। आरोप है कि इसी दौरान 50-60 लोगों की भीड़ ने कांवड़ियों पर पथराव कर दिया। पथराव से अफरातफरी मच गई। कांवड़ियों का जत्था रुक गया। घटना का वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें कुछ युवक पथराव करते दिखाई दे रहे हैं। सूचना मिलने के बाद फोर्स के साथ पुलिस अफसर मौके पर पहुंच गए हैं। वहीं घटना से कांवड़ियों में आक्रोश है। वे आरोपियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। शनिवार रात आंवला क्षेत्र के

मनौना गांव में कांवड़ियों का रास्ता रोके जाने पर आठ घंटे तक हंगामा हुआ था। आरोप है कि देर शाम दूसरे समुदाय के लोगों ने गंगा जल लेने कछला घाट जा रहे कांवड़ियों का रास्ता रोक दिया था। इसके बाद कांवड़ियों ने हंगामा कर दिया। माहौल तनावपूर्ण होने पर आसपास के थानों से भी फोर्स को बुला लिया गया। रात करीब 2:30 बजे कांवड़ियों का जत्था निकालकर गांव की सीमा से बाहर कराया था।

अमरोहा में तोड़ते समय माधव सिनेमा हॉल का छज्जा दीवार समेत गिरा, नौ मजदूर दबे, दो की मौत

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में बड़ा हादसा हुआ है। नगर के आजाद रोड स्थित माधव सिनेमा हॉल की पुरानी बिल्डिंग की दीवार को तोड़ते समय छज्जे समेत दीवार गिर गई। मलबे के नीचे दबकर नौ मजदूर घायल हो गए। हादसे में दो की मौत हो गई। दोनों मजदूरों को अचेत अवस्था में मलबे से निकाला गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। डीएम, एसपी समय तो आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। फिलहाल जेसीबी के द्वारा मलबे को हटाने का काम किया जा रहा है। अमरोहा नगर के रहने वाले कमलेश चंद अग्रवाल का आजाद रोड पर माधव सिनेमा हॉल है। पिछले तीन महीने से सिनेमा हॉल की पुरानी बिल्डिंग तोड़कर नया निर्माण कराया जा रहा था। सिनेमा हॉल को तोड़ने और नए निर्माण करने के लिए जहीर नाम के ठेकेदार को काम सौंपा गया था। रविवार की सुबह करीब नौ मजदूर सिनेमा हॉल की पुरानी दीवार तोड़ने का कार्य कर रहे थे। करीब

12 फिट ऊंची दीवार में छह फिट का छज्जा भी था। तोड़ते समय अचानक दीवार छज्जे समेत भरभरा कर गिर पड़ी। इस दौरान छज्जे और दीवार के मलबे के नीचे सभी मजदूर दब गए। करीब सात मजदूरों ने जैसे-तैसे मलबे से निकलकर अपनी जान बचाई। जबकि दो मजदूर याशीन और रफीक निवासी काली पगड़ी नीचे दबे रहे। हादसे जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच गया और जेसीबी से मलबे को हटाने का कार्य शुरू कर दिया।बमुश्किल दोनों मजदूरों को अचेत अवस्था में बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। डीएम राजेश कुमार त्यागी, एसपी आदित्य लांगहे, एसडीएम प्रतिभा सिंह, सीएफओ अनिल कुमार समेत आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और पूरी घटना का जायजा लिया। वहीं डीएम राजेश कुमार त्यागी ने ठेकेदार द्वारा लापरवाही बरतने की बात कही है। साथ ही बिल्डिंग निर्माण की अनुमति ली गई थी या नहीं इसकी जांच कराने की बात कही है।

यूपी के 6 जिलों में डरा रही गंगा-यमुना की लहरें, 27 शहरों में अलर्ट

लखनऊ। प्रदेश में गंगा, यमुना और पांडु नदी का बढ़ता जल स्तर के बाद नदियों किनारे बसे 27 शहरों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। वहीं, उन्नाव, फरूर्खाबाद, फतेहपुर, रायबरेली, चित्रकूट, कानपुर सहित छह जिलों में गंगा की लहरे किनारे बसे गांवों में रहने वाले ग्रामीणों में दहशत भर रही हैं। रायबरेली में तट बंधों से छोड़े गए पानी से डलमऊ में गंगा का जलस्तर गांवों की ओर रुख करने लगा है। धीमी रफ्तार से जलस्तर चेतावनी बिंदु के करीब पहुंच रहा है। केंद्रीय जल आयोग कार्यालय के अनुसार रविवार को गंगा का जलस्तर 98.030 मीटर दर्ज किया गया। जलस्तर चेतावनी बिंदु 98.360 मीटर के सापेक्ष सिर्फ 33 मिली मीटर दूर है। लगातार बढ़ रहे जलस्तर के कारण कटान तेज हो गई है। बढ रहे जलस्तर ने ग्रामीणों की उलझने बढ़ा दी हैं। तहसील मुख्यालय पर तैनात अधिकारी जिला मुख्यालय पर रहकर बाढ पर नजर रख रहे हैं। बाढ के हालात बने तो पर ग्रामीणों की मदद की तैयारियां भी कागज पर अलर्ट हैं। उपजिलाधिकारी, तहसीलदार व नायब तहसीलदार के पास बाढ क्षेत्र का निरीक्षण करने का समय नहीं है। गंगा का जल स्तर बढ रहा है ग्रामीण परेशान हैं, अधिकारी तहसील मुख्यालय पर नहीं रुक रहे हैं। उपजिलाधिकारी डलमऊ अभिषेक वर्मा ने बताया कि गंगा के जलस्तर पर बराबर नजर रखी जा रही है। मै अभी नया आया हूं, बाढ क्षेत्र में कौन से गांव आते हैं, क्या तैयारी चल रही है, इसकी जानकारी करने के बाद ही कुछ बता पाऊंगा। जिले में गंगा का निशान खतरे की ओर तेजी से बढ़ रहा है। प्रत्येक तीन घंटे में एक सेंटीमीटर जलस्तर बढ़ रहा है। गंगा का पानी मुहाने पर बसे गांवों में घुसने लगा। इससे कटरी क्षेत्र में बाढ़ की विभीषिका जैसा नजारा कायम हो गया। इससे

ग्रामीणों में दहशत बढ़ गई। जिले में गंगा का जलस्तर प्रति घंटा तीन सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ रहा है। शनिवार दोपहर करीब दो बजे 125.25 सेंटीमीटर जलस्तर रिकार्ड किया गया। खतरे के निशान 125.97 से अब 72 सेंटीमीटर सिर्फ गंगा का जलस्तर दूर है। महादेवी गंगा घाट पर गंगा का जलस्तर खतरे के निशान की ओर बढ़ रहा है। कासिमपुर गांव के अंदर पानी घुस गया। चारों तरफ से गंगा का जलस्तर हिलोरे मार रहा है। नायब तहसीलदार भूपेंद्र विक्रम सिंह ने बाढ़ प्रभावित कासिमपुर और बक्सीपुर्वा समेत महादेवी गंगा घाट का दौरा किया। घाट पर स्नान करने वाले लोग गहरे पानी में डूब न जाए, इसलिए बल्ली लगाकर बैरीकेडिंग कराई गई। गंगा में बढ़े जलस्तर को देखते हुए डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने नाव संचालन पर रोक लगा दी हैं। इसके बाद भी स्थानीय लोग गंगा में नाव संचालन कर श्रद्धालुओं की जान जोखिम में डाल रहे हैं। डीएम ने बताया कि नाव संचालन करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गंगा नदी का जलस्तर प्रतिदिन बढ़ रहा है। बीते 24 घंटे में गंगा का जलस्तर करीब छह सेंटीमीटर और बढ़ कर 112.100 मीटर पहुंच गया है। जिसके बाद तटवर्ती इलाकों में लोगों की धड़कने बढ़ गई हैं। इस बीच जहां शुक्लागंज के मोहम्मद नगर व गोताखोर मुहल्ले में चारों तरफ पानी पहुंचने से लोगों को आवागमन नाव से करना पड़ रहा है। जिसे देखते हुए प्रशासन ने दो नाव लगवाई गई हैं। वहीं दूसरी ओर गंगा किनारे बसे लोगों की नींद उड़ी है। उधर फतेहपुर चौरासी में गंगा के बढ़ते जलस्तर से कटरी क्षेत्र के किसानो की कई बीघे भिंडी, धान,परवल आदि की फसल जलमग्न हो गई। गंगा के जलस्तर में तेजी से वृद्धि हो रही है। वहीं नाव का सहारा लेकर ग्रामीण अपनी फसलों को बचाने की जुगत में जुटे हुए हैं।किसानों में लक्ष्मीनारायण, मूलचंद्र, रमेश आदि किसानों ने बताया कि गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण कई बीघे फसल जलमग्न हो गई।जिससे भारी नुकसान हुआ है। वहीं नेकपुर प्राथमिक विद्यालय के पास भी गंगा का पानी पहुंच गया है। यमुना नदी के किनारे बसे गांव ललौली, दपसौरा, पल्टूपुरवा फिलहाल खतरे से दूर हैं, लेकिन गंगा और पांडु नदीं में जलस्तर में लगातार हो रहे इजाफे ने खतरे की घंटी बजा दी है। एक तरफ पांडु नदी की कटान बिंदकी फारम गांव के प्राइमरी स्कूल के निकट तक पहुंच गयी है, तो उधर गंगा का पानी आठ गांवों की तरफ बढ़ रहा है। खेतों में बाढ़ का पानी न घुसे इसके लिए शनिवार को किसानों ने पुरानें बंधों को मिट्टी से ऊंचाकर मजबूत किया। डीएम श्रुति ने बिंदकी, सदर और खागा के एसडीएम की बैठक लेकर बाढ़ को लेकर विचार-विमर्श किया और आवश्यक निर्देश दिये। यमुना नदी में जलस्तर अभी भी खतरे के निशान से साढ़े नौ मीटर नीचे है, जबकि बीते तीन दिनों से जलस्तर कम हो रहा है। इस नदी के किनारे बसे गांव व खेत मालिक खुद को सुरक्षित मान रहे हैं। गंगा नदी में लगातार जलस्तर बढ़ रहा है।

हरिद्वार से डाक कांवड़ ला रहे टूंडला के कांवड़ियों को ट्रक ने कुचला, जीजा-साले संग तीन की मौत

फिरोजाबाद। हरिद्वार से डाक कांवड़ लेकर आ रहे टूंडला के बाइक सवार तीन कांवड़ियों को हरिद्वार से 50 किमी दूर रुड़की के पास एक ट्रक ने रौंद दिया। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना से परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन मृतकों के शवों को लेने रवाना हो गए हैं। टूंडला के थाना नगला सिंघी क्षेत्र के कोट कसोंदी सीयर देवी मंदिर स्थित शिव मंदिर पर गंगाजल चढ़ाने के लिए डाक कांवड़ लेने शुक्रवार को हरिद्वार के लिए 50 युवकों का एक जत्था रवाना हुआ था। शनिवार मध्यरात्रि बाद डाक कांवड़ लेकर जत्था हरिद्वार से चला था। बताया गया है कि नगला सिंघी निवासी रामनरेश (22) पुत्र शान्ति नंदन, दीपू (20) पुत्र बंशीधर और उसके जीजा धौलपुर निवासी मनोज एक बाइक पर थे। रविवार सुबह चार बजे वे हरिद्वार से 50 किमी दूर रुड़की के निकट पहुंचे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। गंभीर घायल तीनों युवकों को अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही साथियों ने कांवड़ यात्रा को स्थगित कर दिया। इसके साथ ही परिजनों को घटना की जानकारी दी।

संपादकीय

डेटा से नहीं आटा से भरेगा पेट

इन दिनों सारी दुनिया डेटा के पीछे भाग रही है। सारे देश डेटा की बात कर रहे हैं। लेकिन आटा को सब भूल गए थे। समय कभी रुकता नहीं है, जिस तरह से पृथ्वी,सूर्य और चांद निश्चित गतिशीलता के साथ एक दूसरे की परिक्रमा करते रहते हैं। ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर घड़ी की सुई का आना गतिशीलता का प्रमाण है। उसी नियति मे अब हम भी डेटा की जगह आटे की चिंता करने मजबूर हो रहे हैं। 50 से लेकर 70 के दशक तक भारत में भी लाल गेहूं का आयात होता था। लोगों को पेट भरने के लिए पर्याप्त खाद्यान्न उपलब्ध नहीं था। वही स्थिति एक बार फिर वैश्विक स्तर में देखने को मिलने लगी है। विश्व के देश खाद्यान्न की कीमतों को स्थिर रखने के लिए विशेष रूप से गेहूं और चावल जो भूख मिटाने वाला महत्वपूर्ण खाद्यान्न है। उनकी कीमतों पर नियंत्रण करने, आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, सारे देश हैरान परेशान होकर आटा और चावल की बात करने लगे हैं। प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सारी दुनिया के देशों में भारी खाद्यान्न संकट था। पिछले 5 दशकों में दुनिया के देशों में खाद्यान्न का उत्पादन तेजी के साथ बढ़ा था। जनसंख्या बढ़ने के साथ-साथ खाद्यान्न उत्पादन बढ़ने से लोगों को पेट भर भोजन मिल पा रहा था। इसके साथ ही दलहन, तिलहन और दुग्ध उत्पादन जो मानवीय जीवन के लिए जरूरी उत्पाद है। उनका भी उत्पादन लगातार बढ़ता रहा। जिसके कारण हम उनकी अहमियत को भूल गए थे। रूस और यूक्रेन के युद्ध ने एक बार फिर खाद्यान्न की अहमियत सारी दुनिया के देशों को समझा दी है। खाद्य वस्तुओं के दाम तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। इस वृद्धि में उत्पादक किसानों को कोई लाभ नहीं मिल रहा है। सारा लाभ कारपोरेट बिचोलिया कंपनियां उठा रही हैं। सरकारें भी टैक्स के रूप में भारी कमाई कर रहे हैं। अब खाद्यान्न की कमी,सभी देशों के लिए सबसे बड़ी समस्या बन गई है। रूस ने यूक्रेन से निर्यात होने वाले गेहूं एवं खाद्यन्न पर जो छूट दे रखी थी। उसे समाप्त कर दिया है। वैश्विक स्तर पर गेहूं की कीमतें 5 फीसदी से ज्यादा बढ़ गई हैं। बढ़ी हुई कीमतों पर भी गेहूं उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। खाद्य तेलों के उत्पादन पर भी इसका असर पड़ा है। चावल निर्यात को लेकर भी विसंगति देखने को मिल रही है। कई देशों में चावल की भारी मांग है,लेकिन उन्होंने अपनी मांग के अनुसार चावल उपलब्ध नहीं हो रहा है। कई देशों की आर्थिक स्थिति इतनी खराब हो चुकी है, कि वह खाद्यान्न का आयात ही नहीं कर पा रहे हैं। जी-20 समूह के वित्त मंत्रियों की बैठक भारत में हो रही है। रूस ने जो प्रतिबंध लगाए गए हैं। वित्त मंत्रियों ने उसकी निंदा करते हुए,खाद्य पदार्थों की कीमतों पर पड़ने वाले असर पर चिंता जाहिर की है। पिछले एक दशक में खाद्यान्न की कीमतें बड़ी तेजी के साथ बढी हैं। कृषि उत्पादन की लागत लगातार बढ़ती ही जा रही है। इसका मुख्य कारण सरकारों द्वारा बड़े पैमाने पर टैक्स बढ़ाना प्रमुख कारण है। खाद्यान्न परिवहन की लागत बढ़ती जा रही है। किसानों की उत्पादन लागत बढ़ने से कई देशों में किसानों को लागत मूल्य भी नहीं मिल पा रहा है। आर्थिक दृष्टि से किसान बहुत कमजोर होता है। वह कर्ज में डूबा हुआ है। जैसे ही फसल तैयार होती है, उसे ओने पौने दामों में बेचने के लिए विवश होना पड़ता है। बड़ी-बड़ी कारपोरेट कंपनियां उस समय सस्ते में गेहूं चावल और अन्य खाद्यान्न खरीद कर स्टाक करती हैं। उसके बाद कई गुना ज्यादा दामों में बेचकर भारी मुनाफा कमा रही हैं। पिछले दो दशक में यह प्रवृत्ति, सारी दुनिया के देशों में देखने को मिल रही है। खाद्यान्न पर अब किसानों का नहीं कारपोरेट कंपनियों का अधिकार हो रहा है। अब जो नई परिस्थिति देखने को मिल रही है। उसमें डेटा की जगह आटा की बात होने लगी है। पेट नहीं भरेगा, तो डाटा,एआई तकनीकी और रोबोट इत्यादि से जीवन तो चलेगा नहीं। जी-20 की बैठक में वित्त मंत्रियों की यह चिंता दिखने लगी है। पिछले 5 वर्षों में कर्ज की मार से दुनिया के दर्जनों देश लगभग दिवालिया हो चुके। कई देशों का खाद्यान्न संकट विद्रोह का कारण बनने लगा है। इसलिए अब राज नेताओं की चिंता भी डाटा के साथ-साथ आटा मे भी दिखने लगी है। एक बार फिर इतिहास अपने आप को दोहराता हुआ नजर आ रहा है। एक बार फिर सारी दुनिया के देश खाद्यान्न संकट में फंसते हुए दिख रहे हैं।

आंकना ना कम !

होने लगे दावे ।
बहने लगी बयार ।।
जीतेगा गठबंधन ।
तय मिलना है प्यार ।।
आंकना ना कम ।
ला रहे सुधार ।।
सजग हो कर उनसे ।
रहना खबरदार ।।
है कोशिश भरपूर ।
एड़ी चोटी जोर ।।
देख कर ये दुर्दशा ।
हुए भावविभोर ।।
देकर एक मौका ।
लें हमको संभाल ।।
वरना होंगे सारे ।
और भी बेहाल ।।

–कृष्णेन्द्र राय

अभी और कितना जलेगा मणिपुर

मणिपुर देश के पूर्वोत्तर में स्थित एक महत्वपूर्ण राज्य है। जिसकी सीमा पड़ौसी देश म्यांमार से लगती है। पिछले 3 महीनों से मणिपुर राज्य अंदरूनी हिंसा से जूझ रहा है। यहां की आबादी के दो प्रमुख समुदाय मैतई व कुकी जनजाति के मध्य जातीय संघर्ष छिड़ा हुआ है। जिसमें अब तक सरकारी आंकड़ों के अनुसार 160 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है व 450 लोग घायल हो चुके हैं। तीन महीने बीत जाने के बाद भी आपसी संघर्ष रुकने का नाम नहीं ले रहा है। मणिपुर में 2017 से भाजपा के एन बीरेन सिंह मुख्यमंत्री है। लेकिन इस समय एन बीरेन सिंह की सरकार वहां की हिंसा पर नियंत्रण करने पर पूरी तरह से विफल साबित हो रही है। हर दिन हो रही आपसी मारकाट के चलते मणिपुर का जनजीवन पूरी तरह से ठप्प हो गया है।

हाल ही में एक पुरानी घटना का वीडियो सामने आया था। जिसमें कुछ महिलाओं के साथ मैतई समुदाय के लोगों ने बलात्कार कर उनको नंगा घुमाया था। इस घटना के सामने आने के बाद पूरा देश खुद को शर्मसार महसूस कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस घटना पर स्वतः प्रसंज्ञान लेते हुए केंद्र व राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि मणिपुर में शांति बहाली की दिशा में त्वरित कार्यवाही की जाए। विपक्षी दलों के नेता लंबे समय से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर रहे हैं। प्रदेश में चल रही अशांति के चलते मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह कुछ समय पूर्व राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपने जा रहे थे तो रास्ते में महिलाओं के समूह ने एकत्रित होकर उनके इस्तीफे को छीनकर फाड़ दिया था। विपक्ष द्वारा उस घटना को सरकार द्वारा प्रायोजित घटना बताई जा रही है। वही उस घटना के बाद मुख्यमंत्री ने कहा था कि वह प्रदेश को आपसी संघर्ष की आग में जलता हुआ छोड़कर अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोडेगें।

सुप्रीम कोर्ट के प्रसंज्ञान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मणिपुर की घटनाओं की निंदा करते हुए गहरा दुख प्रकट किया है। उन्होने कहा किसी भी अपराधी को बक्सा नहीं जाएगा। मणिपुर की पुलिस भी आपसी जातीय गुटों में बंट चुकी है। पुलिस के जवान पुलिस थानों से आधुनिक हथियार छीनकर एक दूसरे के खिलाफ उपयोग कर रहें हैं। राज्य सरकार शांति बहाली की प्रक्रिया में पूरी तरह असफल रही है। ऐसे में केंद्र सरकार को त्वरित कार्यवाही करते हुए मणिपुर में शांति बहाली हो इस दिशा में तेजी से काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वयं आगे आकर सभी विपक्षी दलों के नेताओं से मणिपुर की स्थिति को लेकर चर्चा कर उनके सुझाव लेने चाहिए। मणिपुर से म्यांमार की 350 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा लगती है। जिसके ज्यादातर हिस्से में किसी तरह की फेंसिंग नहीं होने के कारण लोगों का बिना किसी डर के आना जाना लगा रहता है। म्यांमार में सेना द्वारा तख्ता पलटने के बाद बड़ी संख्या में वहां से शरणार्थियों ने पलायन कर मणिपुर में घुसपैठ कर ली है। जिससे भी मणिपुर की स्थिति और अधिक खराब हो गयी है। म्यांमार से आने वाले शरणार्थियों का मणिपुर के कुकी लोगों के साथ जुड़ाव होने के चलते मैतई लोगों में भय है कि शरणार्थियों के कारण कुकी लोगों की आबादी बढ़ने से वह बहुसंख्यक बन जाएंगे। मणिपुर की आबादी करीब 38 लाख है। यहां तीन प्रमुख समुदाय मैतेई, कुकी और नगा है। मैतई ज्यादातर हिंदू हैं। कुकी-नगा ईसाई हैं व एसटी वर्ग में आते हैं। मैतई आबादी करीब 55 प्रतिशत है जो

इम्फाल घाटी में रहते हैं। वहीं कुकी-नगा आबादी करीब 45 प्रतिशत है। जो ज्यादातर पहाड़ों में रहते हैं। मैतई समुदाय ने मणिपुर हाईकोर्ट में याचिका लगाकर उन्हें भी जनजाति का दर्जा देने की मांग की थी। उनकी दलील थी कि 1949 में मणिपुर का भारत में विलय होने से पहले उन्हें जनजाति का दर्जा मिला हुआ था। इसके बाद हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से सिफारिश की थी कि मैतेई को अनुसूचित जनजाति में शामिल किया जाए।

नगा-कुकी दोनों जनजाति मैतई समुदाय को आरक्षण देने के विरोध में हैं। आदिवासी समूहों को डर है कि यदि मैतई को विशेष दर्जा मिलता है तो उनका पहाड़ी क्षेत्रों पर भी कब्जा हो जाएगा। इनका कहना है कि राज्य की 60 में से 40 विधानसभा सीट पहले से मैतई बहुल इम्फाल घाटी में हैं। ऐसे में मैतई को एसटी का आरक्षण मिलने से उनके अधिकारों का बंटवारा होगा। मणिपुर के 60 में से 40 विधायक मैतई और 20 विधायक नगा-कुकी जनजाति से हैं। अब तक 12 में से दो ही मुख्यमंत्री नगा, कुकी जनजाति से रहे हैं। मैतई और कुकी कि अलग-अलग संस्कृति और परंपरा है। विवाद के मूल कारण पहाड़ी बनाम घाटी की पहचान का संघर्ष और समान विकास नहीं होना है। मैतई राजनीतिक प्रभुत्व वाला समुदाय है जिनके कारण राज्य का विकास घाटी तक ही सीमित है। सरकारी नौकरियों में भी मैतई समुदाय का प्रभुत्व अधिक है। राज्य के कानून के कारण मैतई समुदाय के लोग पहाड़ों में जमीन नहीं खरीद सकते हैं। जबकि कुकी सहित अन्य जनजाति समूह के लोग राज्य के किसी भी हिस्से में जमीन खरीद सकते हैं। इसी कारण से मैतई लोगों को लगता है कि राज्य के कानून में जनजातियों को उनकी आबादी की तुलना में अधिक लाभ प्रदान किए गए हैं।

मणिपुर में चल रहे आपसी जाति युद्ध को समाप्त करने के लिए केंद्र सरकार को मणिपुर के सभी समुदायों में विश्वास पैदा करना होगा। केंद्र सरकार को वहां के लोगों को यह बताना होगा कि किसी भी जाति, धर्म, समुदाय के लोगों के साथ भेदभाव नहीं होगा। उनके अधिकारों का किसी भी सूरत में हनन नहीं होने दिया जाएगा। केंद्र सरकार के बड़े नेताओं को मणिपुर जाकर शांति बहाली के प्रयास करने चाहिए। आज मणिपुर में हिंसा की आग इतनी तेज हो गई है कि कोई भी राजनीतिक दल या नेता दिल्ली में बैठकर मणिपुर में शांति बहाल नहीं कर सकता है। अब तो मणिपुर के पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्री भी मणिपुर में चल रही हिंसा को लेकर चिंता जाहिर करने लगे हैं। उन्हें भी डर है कि यदि मणिपुर में भड़की हिंसा पर शीघ्र ही काबू नहीं पाया गया तो धीरे-धीरे उसका असर पड़ोसी राज्यों के लोगों पर भी पड़ने लगेगा। जिससे वहां भी कानून व्यवस्था की स्थिति व्याप्त हो सकती है। विपक्षी दलों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो हमेशा शांति व भाईचारे की बातें करते हैं। वह पिछले तीन महीने से मणिपुर को लेकर चुप क्यों है। प्रधानमंत्री मोदी को मणिपुर की हिंसा को रोकने के लिए मणिपुर का दौरा कर वहां के लोगों से बात करनी चाहिए। उन्हें विश्वास देना चाहिए कि केंद्र सरकार वहां के लोगों के अधिकारों में किसी भी तरह की कटौती नहीं होने देगी। गृह मंत्री अमित शाह मई महीने में मणिपुर का दौरा कर विभिन्न समुदायों के लोगों से मिल चुके हैं। लेकिन उनके दौरे का मणिपुर में शांति बहाली के दिशा में कोई प्रभाव नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री को सामने आकर प्रदेश में शांति बहाली की प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी तभी मणिपुर में शांति बहाली हो पाएगी।

अब मनसा देवी पहाड़ पर मंडराया खतरा!

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

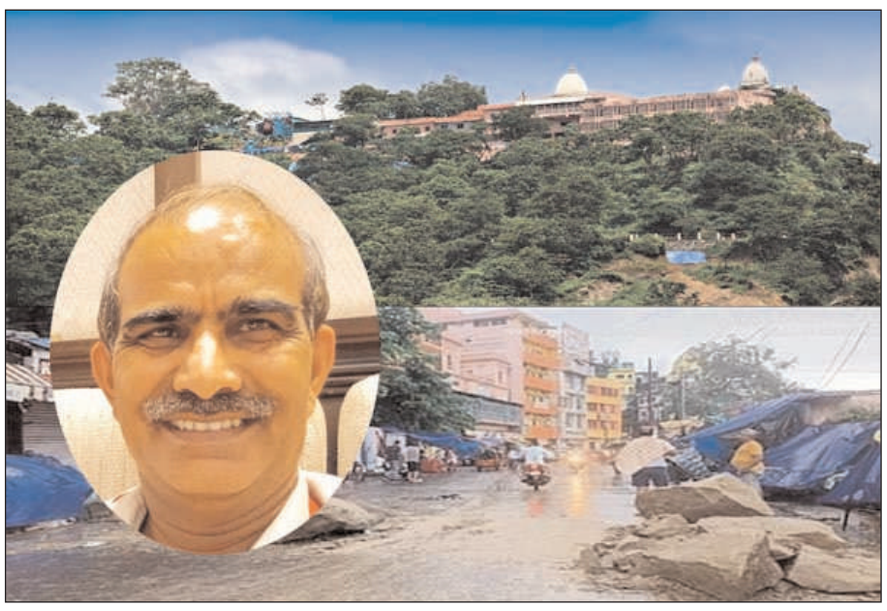

उत्तराखंड के प्रायः हर क्षेत्र से आपदा की आहट सुनाई दे रही है। जोशीमठ में जमीन धसने के मामले सामने आ ही चुके हैं, इस बीच एक डराने वाला मामला हरिद्वार से आ रहा है। यहां मां मनसा देवी का पहाड़ लगातार दरक रहा है। मात्र दस दिनों में इस पहाड़ से छह बार मलबा नीचे आया है, जिससे रेलवे को लाखों का नुकसान हुआ।वही निचले इलाकों में रह रहे लोग भी दहशत में हैं। पहाड़ के आस-पास 12 हजार से ज्यादा की आबादी रहती है। अगर पहाड़ का शीघ्र ही ट्रीटमेंट न किया गया तो कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। जिलाधिकारी धिराज सिंह गर्ब्याल ने पहाड़ के ट्रीटमेंट के लिए शासन को पत्र लिखा है। शीघ्र ही एक टीम पहाड़ के निरीक्षण के लिए पहुंच सकती है। लगातार दरक रहे मनसा देवी के पहाड़ ने अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले सालों की अपेक्षा इस बार पहाड़ के दरकने की रफ्तार तेजी से बढ़ी है। जिस कारण ब्रह्मपुरी, काशीपुरा बस्ती में खतरा मंडरा रहा है।लगातार मलबा आने की वजह से यहां पर रेलवे ट्रैक 34 घंटे तक बाधित रहा। जिससे वंदे भारत एक्सप्रेस,शताब्दी एक्सप्रेस, जनशताब्दी एक्सप्रेस समेत 118 ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई। जिसकारण रेलवे को लाखों का नुकसान हुआ है, साथ ही तलहटी पर बनी कॉलोनियों में खतरा बढ़ गया है। इससे पहले सन 2017 में यहां की आबादी काशीपुरा के पास पहाड़ गिर गया था। अब पहाड़ से लगातार मलबा आ रहा है। प्रशासन की ओर से किए गए सर्वे में कहा गया था कि यहां ट्रीटमेंट की जरूरत है, लेकिन तब से अब तक बचाव का कोई खास काम नहीं किया गया। पहाड़ के पास ब्रह्मपुरी, काशीपुरा ओर जोगियामंडी में 12 हजार से ज्यादा लोग बसे हैं। ये सभी दहशत में हैं। पहाड़ से आ रहा मलबा बाजारों में पहुंच रहा है, जिससे व्यापारियों को भी लाखों का नुकसान उठाना पड़ा है। लेकिन उनकी मदद करने वाला भी कोई नही है।इस पहाड़ को लेकर रुड़की आईआईटी की टीम वर्ष 2013 में सर्वे कर चुकी है। उस समय भी बताया गया था कि पहाड़ लगातार दरक रहा है। लेकिन तब से अब तक कोई खास काम नहीं किया गया है। अब आसपास रहने वाले लोगों को पहाड़ तेजी से दरकने का डर सता रहा है।नालों के जरिये सबसे अधिक मलबा सब्जी मंडी और विष्णु घाट में पहुंचता है। जिससे बाजारों में व्यापारियों को नुकसान हो रहा है। इसी को लेकर व्यापारियों ने जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल के सामने ये मामला उठाया था, ताकि कोई स्थाई समाधान किया जा सके। बाजारों में आने वाले मलबे को रोका जा सके, ताकि नुकसान न हो।मां मनसा देवी को भगवान शिव की मानस पुत्री और नागराज वासुकी की बहन के रूप में पूजा जाता है। मान्यता है कि जो भी मां मनसा के प्रसिद्ध शक्तिपीठ हरिद्वार में आकर पूजा अर्चना करता है,उसकी मनोकामना पूरी होती है।हरिद्वार से करीब तीन किलोमीटर की दूरी पर शिवालिक पहाड़ियों के बिलवा पहाड़ में मां मनसा देवी का प्रसिद्ध मंदिर है।श्रद्धालु यहां अपनी मुराद लेकर आते हैं। माना जाता है कि यहां आने वाले हर भक्त की मुरादें मां जरूर पूरी करती हैं। हरिद्वार में मां मनसा का यह मंदिर 52 शक्तिपीठों में एक है।मंदिर तक पैदल पहुंचने के लिए करीब डेढ़ किलोमीटर की खड़ी चढ़ाई चढ़नी पड़ती है। इसके अलावा केबल से संचालित उड़नखटोले, कार या बाइक आदि के जरिए भी मंदिर तक पहुंचा जा सकता है।हरिद्वार के अलावा राजस्थान के अलवर, सीकर, कोलकाता, बिहार के सीतामढ़ी आदि में भी मनसा देवी के मंदिर हैं। मनसा के नाम का ही अर्थ इच्छा पूरी करने वाला है। मां मनसा के मंदिर आकर लोग अपनी मुरादें पूरी करने के लिए यहां पेड़ की शाखा में एक पवित्र धागा बांधते हैं और इच्छा पूर्ण हो जाने के बाद दोबारा आकर धागे को खोलते हैं और मां मनसा का आशीर्वाद भी लेते हैं।

भगवान शिव की तीन पुत्रियों में एक का नाम मनसा भी है। इन्हें देवी पार्वती की सौतेली पुत्री माना गया है। कार्तिकेय की तरह ही देवी पार्वती ने मनसा को भी जन्म नहीं दिया।इसलिए मनसा को भगवान शिव की मानस पुत्री कहा जाता है। भगवान शिव से ही मनसा ने शिक्षा-दीक्षा ग्रहण की,ऐसी मान्यता है।लेकिन मां मनसा देवी मंदिर का पहाड़ ही खतरे में आ जाने से भविष्य में मंदिर पर भी संकट उत्पन्न हो सकता है।इसी लिए जिलाधिकारी उक्त पहाड़ को बचाने के लिए गम्भीर है और शासन को उन्होंने इस पहाड़ की मरम्मत कराने की गुजारिश की है।

दिलचस्प होगा 2024 का चुनावी मंजर

झारखंड में विधानसभा के चुनाव समय के पहले 2024 के अप्रैल-मई में संभावित लोकसभा चुनाव के साथ ही कराए जा सकते हैं। राज्य में सत्ताधारी गठबंधन की अगुवाई करने वाले झामुमो और प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा ने अपने नेताओं-कार्यकताओं को समय पूर्व चुनाव की संभावनाओं के मद्देनजर अलर्ट करना शुरू कर दिया है। झारखंड की पांचवीं विधानसभा का कार्यकाल 5 जनवरी 2025 को पूरा हो रहा है। यानी सामान्यतः अगले चुनाव का शेड्यूल अक्टूबर से दिसंबर 2024 के बीच है, लेकिन लोकसभा के साथ अप्रैल-मई में चुनाव की संभावनाओं की सुगबुगाहट प्रशासनिक हलकों में भी सुनाई पड़ रही है। झामुमो की सेंट्रल कमेटी की बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पार्टी के नेताओं-कार्यकताओं को अलर्ट करते हुए कहा, हमारा विरोधी हर वक्त चुनावी मोड में रहता है। उनके पास संसाधन भी है और चालाकी भी। वह कब किस हद तक जा सकते हैं, अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। इसलिए क्षेत्र में जाएं। हमारी सरकार की उपलब्धियां जनता को बताएं।

जाहिर है, सोरेन को भी अंदाजा है कि विधानसभा के चुनाव तय समय के छह-सात महीने पहले ही कराए जा सकते हैं। उन्होंने विरोधी यानी भाजपा की जिस चालाकी की चर्चा की, उसका संकेत यही निकाला जा रहा है।

झामुमो सेंट्रल कमिटी की बैठक में तय हुआ कि पार्टी चुनावी मोड में काम करेगी। सेंट्रल कमिटी का विस्तार लंबे समय से पेंडिंग था। निर्णय लिया गया कि अगले पंद्रह दिनों के अंदर नई कमेटी घोषित कर दी जाएगी। इसके अलावा 50 लाख सदस्य बनाने, पार्टी की उपलब्धियां बताने के लिए पार्टी की ओर से प्रखंड से लेकर पंचायत स्तर तक शिविर लगाने का निर्णय लिया गया।इधर, भाजपा पहले ही

चुनावी मोड में आ चुकी है। अब विधानसभा स्तरीय सम्मेलनों का सिलसिला शुरू हो रहा है। 9 जुलाई को हजारीबाग जिले के बरही में भाजपा के विधानसभा स्तरीय सम्मेलन में पार्टी के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने कार्यकताओं से कहा कि वे लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहें। दोनों चुनाव एक साथ कराए जाने की स्थिति बन सकती है।

भाजपा ने पिछले ही हफ्ते राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री रहे बाबूलाल मरांडी को राज्य में पार्टी का नया अध्यक्ष बनाया है। उनके अध्यक्ष बनने की संभावनाएं पिछले छह-आठ महीने से व्यक्त की जा रही थीं। वह राज्य की मौजूदा हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार पर लगातार हमलावर हैं। कोई दिन ऐसा नहीं होता, जब वे सीधे हेमंत सोरेन पर हमला नहीं बोलते। चुनाव के दिनों में विरोधियों पर आक्रमण के लिए नेता जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल करते हैं, वह नजारा मरांडी के ट्विटर हैंडल पर रोज देखा जा सकता है।

झारखंड पर मिशन-2024 का डबल लोड है, अप्रैल-मई में संसदीय चुनाव और नवंबर-दिसंबर में विधानसभा का चुनाव। लोकसभा चुनाव हो कि विधानसभा चुनाव, बाबूलाल की जीत और हार का पलड़ा लगभग बराबर रहा है। इस हिसाब से उनके पास अनुभव की कतई कमी नहीं है। चुनाव मैदान में वे 1991 से डटे रहे हैं। संगठन और सरकार चलाने का भी अनुभव है। झारखंड के गांव-गांव में घूमने का अनुभव है और एनडीए और यूपीए दोनों के साथ रहने का भी अनुभव है। ऐसे में प्रदेश की कमान सौंप पार्टी ने कोई गलती नहीं की है। उनसे उम्मीद बनती है, लेकिन उम्मीदों पर खरा उतरना उनको ही है। वे जब वनांचल भाजपाका अध्यक्ष हुआ करते थे, तब हरमू कॉलोनी के छोटे से फ्लैट में उनकी कुर्सी लगती थी। अब उनकी अगवानी के लिए पार्टी का महल है, और जैसा कि कहा जाता है कार्यकताओं की सबसे बड़ी फौज भी। लेकिन सवाल है, सामने वाला भी कमजोर नहीं है।बेशक 1998 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने शिबू सोरेन जैसे व्यक्तित्व को हराया था, लेकिन उनका अगला मुकाबला शिबू के पुत्र हेमंत सोरेन से है और फिलहाल हेमंत सरकारहैं। हेमंत ने 2019 में राज्य की 28 जनजातीय सीटों में से अपने गठबंधन को 25 सीटें दिलाने का रिकार्ड कायम किया था। उनके ही नेतृत्व में उनकी पार्टी झामुमो ने विधानसभा की 30 सीटें जीतने का इतिहास बनाया था। सभी सीटों पर उम्मीदवार देने के बावजूद उस समय जेवीएम यानी बाबूलाल के खाते में केवल एक मांडर एसटी सीट आ पाई थी, जिसके विधायक बंधु तिर्की चुनाव बाद कांग्रेस में चले गए थे।और खासकर झारखंड का हर कोई जानता है कि सरकार बनाने में इन 28 सीटों की भूमिका अहम होती है। विधानसभा की 81 ही तो सीटें हैं।

दिव्यांग जनों हेतु नवभारत निर्माण की तरफ से स्वरोजगार के लिए ब्लॉक स्तरीय मीटिंग

प्रखर गोरखपुर। गोरखपुर के पिपराइच ब्लॉक में नवभारत निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष विक्रमादित्य नारायण सिंह की तरफ से दिव्यांग जनों के स्वरोजगार हेतु ब्लॉक पर मीटिंग रखा गया जिसमें पूर्वांचल दिव्यांगजन महासभा से जुड़े दिव्यांग एवं ब्लॉक में मौजूद स्वरोजगार हेतु इच्छुक अन्य 67 दिव्यांग मौजूद थे । सभी दिव्यांग जनों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए उदय फूड से धवल दुबे जी, दिव्यांग जनों के कला कौशल का लगातार बढ़ावा देने के लिए कार्य करने वाली ट्रस्ट नवभारत निर्माण ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी विक्रमादित्य नारायण सिंह जी, दिव्यांग जनों के लिए सदैव कार्य करने वाली संस्था सक्षम से विनय दुबे जी कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित सभी दिव्यांग जनों को स्वरोजगार हेतु संबोधित किया उदय फूड वेलफेयर सोसाइटी के चेयरमैन धवल दुबे जी ने दिव्यांग जनों को बताया कि वह घर पर रहकर खाद्य पदार्थ जोकि उदय फूड अन्य कर्मचारियों से बनवाता है, वह सभी दिव्यांगजन अपने परिवार के सदस्यों एवं टीम के सहयोग से घर पर ही तैयार कर सकते हैं जिसे हम उनके घर से खाद्य पदार्थों को खरीद मार्केट में उतार सकेंगे । कार्यक्रम में पहुंचे सभी दिव्यांग जनों को संबोधित करते हुए नवभारत निर्माण ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी विक्रमादित्य नारायण सिंह ने कहा कि आप सभी दिव्यांग जनों का इतने दूर दूर से अपने ट्राई साइकिल से आना कार्यक्रम को अटेंड करना काबिले तारीफ है, कुछ कर दिखाने का जज्बा जो आप में है में है निश्चित ही आपको ब्लॉक ही नहीं अपितु राष्ट्रीय स्तर पर एक बेहतर उद्यमी के रूप में पहचान दिलाएगा ।

अंबिका सेवा संस्थान द्वारा आयोजित निशुल्क चिकित्सा शिविर का अपर जिलाधिकारी ने फीता काटकर किया शुभारंभ 298 मरीजों को दी गई दवा

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। अंबिका सेवा संस्थान भारत रक्षा पथ द्वारा प्राथमिक विद्यालय बिंद्रा बाजार पर आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर सुबह 9:00 बजे से शुरू हो गया आजमगढ़ वाराणसी के लगभग एक दर्जन से अधिक डॉक्टर इस शिविर में मरीजों को देख रहे थे। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व आजाद भगत,उपजिलाधिकारी मेहनगर संत रंजन श्रीवास्तव व मुहम्मदपुर के ब्लाक प्रमुख विजय कुमार विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से शिविर का फीता काटकर शुभारंभ किया उसके बाद भारत माता चंद्र शेखर आजाद बाल गंगाधर तिलक के चित्र पर पुष्प अर्पित किया। वही आजाद भगत ने शिविर का मुआयना भी किया और संस्थान को कार्य के लिए बधाई दिया प्राथमिक विद्यालय परिसर में उपस्थित अतिथियों द्वारा पौधरोपण भी किया गया।अपर जिलाधिकारी व उप जिलाधिकारी मेहनगर आए हुए सभी डाक्टरों को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

10000-10000 रुपये के पुरस्कार घोषित 2 शातिर फरार व वांछित इनामिया को जंगीपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। थाना भावरकोल से 10000- 10000 रुपये के पुरस्कार घोषित 02 शातिर फरार व वांछित इनामिया को थाना जंगीपुर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया और मौके से 2 देशी तमंचा व 2 जिन्दा कारतूस बरामद किया। पुलिस अधीक्षक के आदेश के क्रम में अपराध अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत आज दिनांक 23.07.2023 को थानाध्यक्ष जंगीपुर मय हमराह मुखवीर की सूचना पर धुरेहरा मोड़ के पास से समय करीब रात्रि 01.30 बजे, थाना भावरकोल से 10000-10000 रुपये के पुरस्कार घोषित 2 शातिर फरार व वांछित इनामिया को गिरफ्तार किया गया, जिनके कब्जे से 2 देशी तमंचा 0.315 बोर व 2 जिन्दा कारतूस 0.315 बोर बरामद हुआ। अभियुक्तगण थाना भांवरकोल जनपद गाजीपुर के निवासी ग्राम अलावलपुर थाना जंगीपुर जनपद गाजीपुर का आपराधिक इतिहास मु0अ0सं0 118/2020 धारा 457/380/504/506 भादवि थाना जंगीपुर जनपद गाजीपुर, मु0अ0सं0 14/2022 धारा 3/5ए/5बी/8 गौ हत्या निवारण अधिनियम थाना भावंरकोल जनपद गाजीपुर, मु0अ0सं0 86/2023 धारा 3(1) उ0प्र0 गैंगेस्टर एक्ट में फरार चल रहे थे, गिरफ्तारशुदा दोनो अभियुक्तगण के विरुद्ध मु0अ0सं0 119/2023 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम ,पता व आपराधिक इतिहास के बारे में पुलिस ने जानकारी दी कि अभियुक्त शिवकुमार यादव उर्फ मुलायम यादव पुत्र स्व0 नरायण यादव उर्फ सीरी उर्फ नारायण भांवरकोल जनपद गाजीपुर, मु0अ0सं0 119/2023 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना जंगीपुर जनपद गाजीपुर दर्ज है व अभियुक्त हरेन्द्र यादव पुत्र स्व0 जनार्दन यादव निवासी ग्राम त्रिलोकपुर थाना जंगीपुर जनपद गाजीपुर का आपराधिक इतिहास मु0अ0सं0 14/2022 धारा 3/5ए/5बी/8 गौ हत्या निवारण अधिनियम थाना भावंरकोल जनपद गाजीपुर, मु0अ0सं0 86/2023 धारा 3(1) उ0प्र0 गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रिया कलाप निवारण अधिनियम 1986 थाना भांवरकोल जनपद गाजीपुर, मु0अ0सं0 119/2023 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना जंगीपुर जनपद गाजीपुर दर्ज बताया है। अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अमित कुमार पाण्डेय, उ0नि0 मइयादीन, का0 विनय नायक, का0 दीपक कुमार सुमन, का0 सदानन्द यादव, का0 बबलू गोड़, का0 नीरज शर्मा थाना जंगीपुर जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

गाजीपुर काव्य महाकुम्भ एवं गाजीपुर दर्पण सम्मान समारोह 6 अगस्त को नगसर हाल्ट थाना एवं रेलवे स्टेशन के निकट होगा : कवि इंद्रजीत तिवारी निर्भीक

प्रखर पूर्वान्चल गाजीपुर। गाजीपुर जिला अंतर्गत नगसर हाल्ट थाना एवं रेलवे स्टेशन के निकट 6 अगस्त 2023, रविवार को दोपहर 1 बजे से प्रेरणा हिन्दी प्रचारिणी सभा-उत्तर प्रदेश के प्रदेश संयोजक कवि इंद्रजीत तिवारी निर्भीक के प्रमुख संयोजन संचालन में वरिष्ठ कवि धर्मदेव यादव के अध्यक्षता में पूर्व जिला जज एवं अंतर्राष्ट्रीय गजलकार डॉ. चंद्रभाल सुकुमार, वाराणसी रेल विकास निगम के अपर मंडल रेल महाप्रबंधक कवि विजय मिश्र बुद्धिहीन, वरिष्ठ पत्रकार एच. पाण्डेय, श्रीप्रकाश कुमार श्रीवास्तव गणेश, वरिष्ठ पत्रकार सूर्यकुमार सिंह सहित अनेकों विशिष्ट लोगों के संरक्षण में गाजीपुर काव्य महाकुम्भ एवं गाजीपुर दर्पण सम्मान समारोह का आयोजन होगा जिसमें भारत वर्ष के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिभाशाली अनेकों लोगों का सर्वदलीय नागरिक अभिनन्दन भी किया जाएगा उक्त आयोजन विशेष रूप कजरी काव्य,गायन का कार्यक्रम होगा` सहभागी बनने के इच्छुक कवि, कलाकार एवं सम्मान समारोह में शामिल होने के इच्छुकजन मोबाईल नम्बर - 9450364292 या 6306057870 पर संपर्क कर सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार घायल, जिला अस्पताल रेफर

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। गंभीरपुर थाना क्षेत्र के गंभीरपुर मार्टिनगंज रोड स्थित गंभीरपुर शराब ठेका के पास शनिवार की रात्रि लगभग 9:00 बजे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से रानीपुर रजमो (रामपुर) निवासी अनिल सिंह 22 वर्ष पुत्र अशोक सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया सूचना पर पहुंची गंभीरपुर पुलिस व अगल-बगल के लोगों ने एंबुलेंस द्वारा घायल को पीएचसी मुहम्मदपुर ले गए जहां हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया जहाँ उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

डम्फर के चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत

प्रखर अदलहाट मिजार्पुर। स्थानीय थाना अंतर्गत शर्मा रोड पर इलाहाबाद बैंक के सामने ट्रक के चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गयी । प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि शोएब कुरैशी पुत्र मंजूर कुरैशी उम्र 23 वर्ष निवासी गरौडी थाना अदलहाट जनपद मिजार्पुर शनिवार सुबह लगभग 11:00 बजे दिन में शर्मा रोड पर किसी काम से शर्मा रोड गया हुआ था, और वापस लौट रहा था कि अचानक डम्फर के चपेट में आने बाइक सवार शोएब कुरैशी गम्भीर रूप से घायल हो गया आस पास के लोगो ने उसे इलाज के लिए स्थानीय चिकित्सक ने उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जमालपुर के लिए रेफर कर दिया जहाँ उसकी हालात गम्भीर होते देख चिकित्सको ने उसे ट्रामा सेंटर वाराणसी भेज दिया, जहाँ इलाज के दौरान लगभग शाम 5 बजे उसकी मौत हो गई । सूचना पर पहुँची पुलिस ने डम्फर व चालक को कब्जे में ले लिया ।

शराब पीने को लेकर हुए विवाद में एक घायल

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के जसवा ग्राम सभा निवासी रामबाबू पुत्र सदाफल उम्र 22 वर्ष अपने साथियों के साथ मेहंदीपुर चौराहे पर शराब का सेवन कर रहे थे तभी साथियों से कुछ बात को लेकर विवाद हो जाने पर आपस में मारपीट हो गई जिससे रामबाबू को चोटे आई सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले आई जहां प्राथमिक उपचार के उपरांत चिकित्सक द्वारा वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया थाना प्रभारी कुमुद शेखर सिंह ने 2 लोगों को हिरासत में लिया गया है विधिक कार्रवाई की जा रही है।

एनडीआरएफ का बृहद पौधारोपण अभियान लगातार जारी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। 11 एनडीआरएफ वाराणसी के टीमों द्वारा 15 जुलाई 2023 से लगातार बृहद पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है मनोज कुमार शर्मा, उप महानिरीक्षक ने बताया कि वाराणसी मे 11 एनडीआरएफ परिसर, जगतपुर इंटर कॉलेज एवं स्टर्लिंग इंग्लिश स्कूल, बड़ागांव मे पौधारोपण अभियान चलाया गया हैं` इसके अलावा भी एनडीआरएफ टीमों द्वारा चंदौली, गोरखपुर, बहराइच एवं भोपाल (मध्य प्रदेश) मे विभिन्न स्थानो पर बृहद पौधारोपण अभियान चलाया गया है पौधारोपण अभियान में एनडीआरएफ के बचाव कर्मियों के द्वारा छात्रों, कर्मचारियों एवं स्थानीय लोगों के साथ मिलकर विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार पौधों को लगाया गया एवं हरित पर्यावरण के महत्व के बारे में संदेश दिया गया एनडीआरएफ टीमों के द्वारा पौधारोपण अभियान आगे भी जारी रहेगा।

पौधारोपण कर प्रकृति को और भी सुरम्य बनाया जा सके और पृथ्वी प्रदूषित जलवायु को नवजीवन प्रदान किया जा सके : प्रबंधक प्रशांत सिंह

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। विष्णुदीप महाविद्यालय घाटमपुर अहरौरा में महाविद्यालय प्रबंधक प्रशांत सिंह जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार द्वारा आयोजित विशाल पौधरोपण योजनांतर्गत महाविद्यालय में पौधरोपण कार्यक्रम कुशलता पूर्वक संपन्न किया गया। जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डा. सतीश जायसवाल के द्वारा छात्रों के द्वारा किए गए वृक्षारोपण को एक सराहनीय कार्य के रूप में दर्शाते हुए छात्रों को बताया कि इसको आप समस्त छात्र-छात्राएं निरंतर ही जीवन पर्यंत अपने जीवन में अपनाएं जिससे प्रकृति को और भी सुरम्य बनाया जा सके और पृथ्वी प्रदूषित जलवायु को नवजीवन प्रदान किया जा सके वही महाविद्यालय के शिक्षक गड़ अभिनेश्वर सिंह, गोविंद जी, चंदन जी, ,सच्चिदानंद जी, स्वेच्छा जी सहित महाविद्यालय के वरिष्ठ एवम कनिष्ठ लिपिक कर्मचारी और बच्चे उपस्थित रहे।

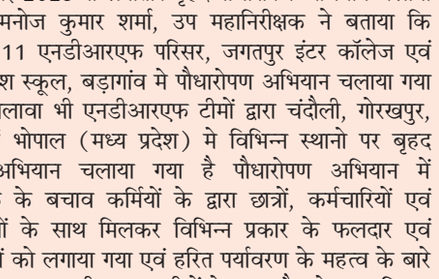

काशी-कांची संगम में विदुषी का संगीतार्चन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। कांची कामकोटि पीठाधीपति जगद्गुरु शंकराचार्य श्री शंकरविजयेंद्र सरस्वती महाराज के काशी आगमन एवं चातुर्मास्य व्रत महोत्सव की 13वीं सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ हनुमान घाट स्थित कांची मठ में काशी की उदयीमान गायिका विदुषी वर्मा के रागदारी एवं भजनों से प्रारम्भ हुई विदुषी ने राग यमन में आलाप, द्रुत लय में बंदिश आदि देव महादेव हे दयानिधे, तत्पश्चात राग शंकरा में भजन 'जय शिव शंकर जय गंगाधर' एवं 'प्रेम मुदित मन से कहो राम- राम' के साथ विराम लिया` तबले पर अशेष नारायण मिश्र एवं संवादिनी पर मोहित साहनी ने अत्यंत मनमोहक संगति प्रदान की कलाकारों का स्वागत एवं सत्कार पंडित आञ्जनेय शास्त्री ने अंगवस्त्रम तथा पुष्पगुच्छ देकर किया संचालन बनारस यूथ थिएटर के संस्थापक द्वय उत्कर्ष उपेन्द्र सहस्रबुद्धे एवं अर्चना निगम ने किया।

मारवाड़ी युवक समिति द्वारा सांस्कृतिक सावन मेले का हुआ आयोजन कई तरह के लगाए गये स्टाल

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मारवाड़ी युवक समिति, शिवपुर द्वारा सांस्कृतिक सावन मेले का आयोजन 23 जुलाई रविवार कों शिवपुर थाने के निकट मारवाड़ी धर्मशाला पर किया गया जिसमे मारवाड़ी समाज की महिलाओ द्वारा विभिन्न स्टाल जैसे हैण्डमेड राखी, कुर्तिया, बेड्सीट, गिफ्ट आइटम, ज्वेलरी, स्वादिष्ट व्यंजनों आदि के पच्चीस से जयादा स्टाल लगाये गये ` कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा. पुष्पा सिह (सीनियर कंसल्टेंट एस.एस.पीजी वाराणसी) ने किया उन्होने महिलाओं को स्वालम्बन बनने व ज्यादा से ज्यादा अपनी प्रतिभा को समाज के सामने लाने के लिये प्रोत्साहित किया।

7 वर्षीय नाबालिक के साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को 20 साल की सजा

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। थाना क्षेत्र की 07 वर्षीय नाबालिग के साथ दुष्कर्म से सम्बन्धित अभियोग में पुलिस द्वारा प्रभावी पैरवी करते हुए प्रतिदिन सुनवाई के क्रम में लगातार गवाहों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर गवाही करायी गयी । जिसके परिणाम स्वरूप उक्त अभियान में जनपदीय पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है । मात्र 22 दिन में न्यायालय विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट)/अपर सत्र न्यायाधीश मीरजापुर द्वारा 07 वर्षीय नाबालिग के साथ दुष्कर्म के अभियुक्त को दण्डित करते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास और 30,000.00/- के अर्थदण्ड की सजा सुनायी गयी। पिछले महीने 11 जून को थाना अहरौरा पर एक व्यक्ति (वादी) द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की 07 वर्षीय नाबालिग पुत्री के साथ छेड़खानी करने, गाली गलौज व जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई थी जिसके आधार पर थाना अहरौरा पर मु0अ0सं0-96/2023 धारा 354,504, 506 भादवि व 7/8 पॉक्सो एक्ट पंजीकृत कर त्वरित कार्यवाही करते हुए साक्ष्य संकलित कर मुकदमा उपरोक्त में धारा-354 भादवि व 7/8 पॉक्सो एक्ट का लोप करते हुए प्राप्त हुए विवेचना के दौरान साक्ष्यों के आधार पर धारा-376अइ भादवि व 5ट/6 पॉक्सो एक्ट की बढ़ोत्तरी करते हुए नामजद अभियुक्त सुनील कुमार सोनकर को दिनांकः 13.06.2023 को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था तथा मात्र 07 दिवस के अन्दर विवेचनात्मक कार्यवाही पूर्ण करते हुए न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया गया था। न्यायालय द्वारा दिनांकः 26.06.2023 को संज्ञान लेते हुए दिनांकः 30.06.2023 को आरोप तय किया गया। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा द्वारा ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत 07 वर्षीय नाबालिग के साथ हुई दुष्कर्म की घटना को प्राथमिकता देते हुए स्वयं पर्यवेक्षण करते हुए थाना अहौरारा पुलिस एवं मॉनीटरिंग/ पैरवी सेल को निर्देशित करते हुए गुणवत्तापूर्ण तथा सशक्त एवं प्रभावी पैरवी कराया गया। जिसके फलस्वरूप मात्र 22 दिन में न्यायालय विशेष न्यायाधीश(पॉक्सो एक्ट)/अपर सत्र न्यायाधीश मीरजापुर द्वारा उपरोक्त अपराध की धारा376अइ भादवि व 5ट/6 पॉक्सो एक्ट के तहत दोषी पायें जाने पर अभियुक्त सुनील कुमार सोनकर पुत्र बचऊ निवासी जसवा थाना अहरौरा को 20 वर्ष के कठोर कारावास और 30,000.00/- के अर्थदण्ड की सजा सुनायी गयी।

अखिल भारतीय किसान महासभा का जिला कार्यकारिणी की बैठक हुई संपन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुरक अखिल भारतीय किसान महासभा का जिला कार्यकारिणी की बैठक आज स्थित तूलसी सागर लंका जिला कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय किसान महासभा के जिला अध्यक्ष कामरेड गुलाब सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार में देश प्रदेश के किसानों की हालत दयनीय होती जा रही है, किसानों की खेती में लागत मूल्य लगातार बढ़ता जा रहा है, किसानों की उपज के लागत मूल्य भी निकल नहीं पाता है जिससे किसानों की खेती घाटे की सौदा होती जा रही है। किसान अब खेती छोड़ने पर मजबूर हैं। देश ऐतिहासिक किसान आन्दोलन से माननीय प्रधानमंत्री जी ने जो वादे किए थे उससे लगभग पिछे हट गए हैं। जिसपर देश भर मे किसान आन्दोलन कर रहे है। अभी धान की रोपाई का समय है मौसम सूखा का दस्तखत दे रहा है, जिससे किसानों का हाथ पैर फूल रहा है। इस संकट के दौर में सरकार भी अपनी हाथ खिच लिया है। और आवारा पशुओं से खेती बबार्दी के लिए किसानों को सौगात दिया है।

किसानों के खेतों की सिंचाई के नहर प्रणाली कमजोर होती जा रही है, पम्प कैनाल, लिफ्ट कैनाल अपनी अन्तिम सांस ले रहा है। बैठक में तय हुआ कि खेत खेती किसान बचाओ, कारपोरेट लूट का राज मिटाओ, मनरेगा को खेती से जोड़ा जाय, जिले में किसानों को अफीम की खेती करने के लिए लाइसेंस दिया जाए आदि मांगों पर संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर 9 अगस्त को जिला मुख्यालय पर विशाल प्रदर्शन किया जाएगा। और 24 अगस्त को दिल्ली में किसान कन्वेंशन में जिले से सैकड़ों किसान भाग लेंगे। बैठक में प्रमुख रूप से कामरेड शशीकांत कुशवाहा, गुलाब सिंह, मोती प्रधान, रामबिलास यादव, सदानंद पटेल, रामाशीष बिन्द, प्रमोद कुशवाहा, रणधीर सिंह, रामप्रवेश कुशवाहा, रामबदन बिन्द, आजाद यादव, मोनू सिंह आदि लोगों ने सम्बोधित किया और अध्यक्षता गुलाब सिंह व संचालन जिला सचिव सतेन्द्र प्रजापति ने किया।

डबल इंजन की सरकारों का कानून व्यवस्था और संविधान में विश्वास नहीं : डा. अवधनाथ पाल

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी के निवर्तमान जिलाध्यक्ष डां अवधनाथ पाल के प्रबंधन में समाजवादी महिला सभा का दूसरे दिन अंबेडकर तिराहा पर स्थापित अंबेडकर मूर्ति के समक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फोटो लगाकर मणिपुर में हुए घटना को लेकर न्याय की गुहार लगाई और महिलाओं ने अपनी चूडि?ां भी उतारकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फोटो पर समर्पित किया वहीं महिला सभा की जिलाध्यक्ष शर्मिला यादव ने कहा कि देश में डबल इंजन की सरकार बनी रही तो आने वाले दिनों में पूरे देश की स्थिति मणिपुर जैसी होगी। उन्होंने कहा है कि देश को इस स्थिति से बचाना है तो जो जहाँ है, वहीं लोगों को समझाए कि डबल इंजन की सरकारों का कानून व्यवस्था और संविधान में विश्वास नहीं है। कहा कि गत चार मई को मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड कराए जाने का वीडियो केवल कानून व्यवस्था पर नहीं, सम्पूर्ण मानवता के माथे पर कलंक है।

रोटरी क्लब कुशीनगर ने किया 300 पौधों का नि:शुल्क वितरण

प्रखर कुशीनगर। रोटरी क्लब कुशीनगर ने रविवार तड़के सुबह कसया स्थित गांधी चौक पर स्टाल लगाकर विभिन्न किस्मों के फलदार एवं छायादार 300 से अधिक पौधों का निःशुल्क वितरण किया। निःशुल्क पौधा वितरण कार्यक्रम की शुरूआत नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं रोटरी के संरक्षक राकेश जायसवाल के हाथों से हुई। संरक्षक राकेश जायसवाल ने बताया कि इन 300 पौधों में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का वितरण किया गया। इन पौधों को लेने के लिए गांधी चौक पर जनता का हुजूम उमड़ पड़ा। रोटरी के अध्यक्ष वाहिद अली ने बताया कि विगत वर्ष की भांति ही लोगों में अधिक से अधिक पौधारोपण हेतु जागरूकता फैलाने के लिए इस प्रकार का कार्यक्रम किया गया है। सचिव राजीव जायसवाल ने कहा कि रोटरी के द्वारा ऐसे कार्यक्रम होते रहेंगे, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग पौधारोपण कर पर्यावरण को बचाने में सहयोगी बन सके। इस अवसर पर संरक्षक राकेश जायसवाल, अध्यक्ष वाहिद अली, सचिव राजीव जायसवाल 'लक्ष्य', वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष अजय कुमार सिंह, उपाध्यक्ष दिनेश कुमार यादव, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुर्वेदी, पूर्व अध्यक्ष अनिल जायसवाल, संयुक्त कोषाध्यक्ष सदरे आलम, निदेशक अमित श्रीवास्तव, रक्तदान संयोजक विजय कृष्ण द्विवेदी, डॉ सुनील सिंह, महेंद्र तिवारी मोनू, इम्तियाज आलम, अश्वनी जायसवाल, डॉ. जेके पटेल, गोपी चंद कसौधन, दिनेश तिवारी भोजपुरिया एवं आदिल शामिल रहे।

कमजोर वर्ग के बच्चों का सपना साकार करेगा इगनाइट कोचिंग संस्था - रत्नेश पांडेय

प्रखर कुशीनगर। महंगाई के इस दौर में कोचिंग संस्थान वाले विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों के नाम पर मोटी रकम वसूल रहे हैं लेकिन कुशीनगर जिले के कसया में स्थित इगनाइट कोचिंग संस्थान फाउंडेशन न्यूनतम शुल्क लेकर आईआईटी, नीट उत्तीर्ण करने का सपना संजोने वाले गरीब परिवार के बच्चों को शिक्षा दिलाने का काम कर रही है। उक्त बातें संस्था के डायरेक्टर ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव (एडवोकेट)ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा। उन्होंने कहा कि कुशीनगर में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। जरूरत ऐसे संस्थान की है जो समर्पण, सेवाभाव के साथ ही अच्छे दिशानिर्देश दे सके और बच्चों के प्रतिभा को तरास कर उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दे सके।उन्होंने आगे कहा कि हमारे यहा प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कक्षा आठ से शिक्षा दी जाती है। मेरे संस्थान के द्वारा कमजोर आर्थिक वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति परीक्षा के माध्यम से शुल्क में भारी छूट दी जाती है। बोर्ड के छात्रों व प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अलग अलग अध्यापक है। मैनेजिंग डायरेक्टर रत्नेश पांडे ने कहा कि गरीब परिवार के बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाना संस्थान का उद्देश्य है, ऐसे बच्चे जिनमें प्रतिभा तो है लेकिन धनाभाव के चलते बाहर जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त नही कर पाते हैं, उन्हें कम शुल्क के साथ बेहतर शिक्षा व्यवस्था देना पहली प्राथमिकता हैं, जिससे इस क्षेत्र के बच्चे भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर प्रतियोगी परीक्षाओं को उत्तीर्ण कर खुद आत्मनिर्भर बने। उन्होंने बताया कि कोटा जाने वाले छात्रों की सबसे बड़ी समस्या शुल्क के रूप में मोटी रकम देना पड़ता हैं। साथ उनके विषय में होने वाले अतिरिक्त संदेह वाले प्रश्न अपने अध्यापक से नहीं पूछ पाते हैं, क्योंकि वहां एक कक्षा में हजारों की संख्या में छात्र पढ़ते हैं।कोटा से भी बेहतर कसया ,कुशीनगर में हमारे संस्था में बाहर के दक्ष शिक्षकों द्वारा शिक्षण का कार्य किया जा रहा है। हमारे यहां छोटे-छोटे बैच बनाएं गये हैं । कोई भी छात्र अध्यापक से कभी भी प्रश्न पूछ सकता है और अपने संदेह को दूर कर सकता है।

परिवार परामर्श केंद्र ने 5 परिवारों की कराई सफल विदाई

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। परिवार परामर्श केंद्र गाजीपुर द्वारा पुलिस लाइन्स गाजीपुर के प्रांगण में पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह की अध्यक्षता में आज दिन रविवार को कुल 15 परिवारिक विवाद प्रस्तुत हुए। इनमें संगीता देवी पत्नी अजय कुमार बनवासी निवासी-कन्हौली थाना केराकत जौनपुर की शिकायत थी कि उसके पति उसके चरित्र पर हमेशा शंका करते रहते हैं। इसपर पति और ससुराल पक्ष के लोगों को समझाकर विदाई करवाई गई। जबकि पति उससे दूरी बनाए रहता है। तेतरी देवी पत्नी सोमारू बिंद निवासी-फुल्लनपुर थाना कोतवाली गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति उसके पारिवारिक खर्च को वहन नहीं करते हैं। जिससे वह शारीरिक व मानसिक रूप से परेशान रहते हैं। इसपर पति को समझाकर विदाई करवाई गई। पूजा बासफोर पत्नी प्रिंस बसफोर निवासी बहरीपुर थाना सराय लखंसी जिला मऊ की शिकायत थी कि उसके पति और ससुराली पक्ष के लोग उसके साथ हमेशा मारपीट करतेरहतेहै । इसपर पति और ससुराल पक्ष के लोगों को समझाकर विदाई करवाई गई। नजरूननिशा पत्नी अजहर हुसैन निवासी अमदरिया थाना फेफना जिला बलिया की शिकायत थी कि उसके पति उसके न जानकारी में दूसरी शादी कर लिए है। फिर भी वह उनके साथ रहना चाहती है इसपर पति व सास को समझाकर विदाई करवाई गई। आरजू पत्नी नासिर खान निवासी- रुइमंडी थाना कासिमाबाद की शिकायत थी कि उसके पति बिना कारण ही उसके साथ मारपीट करते रहते हैं। इसपर पति को समझाकर विदाई करवाई गई। पांच पारिवारिक विवाद में दोनों पक्ष उपस्थित नहीं थे पांच पारिवारिक विवाद में जबकि एक पक्ष उपस्थित था। इन सभी प्रकरण के निस्तारण में सोनिया सिंह, सरदार दर्शन सिंह, शिवशंकर तिवारी, सरिता गुप्ता, वीरेन्द्र नाथ राम, आरक्षी आलेश कुमार, महिला आरक्षी सुनीता गिरी, महिला होमगार्ड उमीर्ला गिरी, पीआरडी गीता सिंह आदि लोग प्रमुख थे।

काम्या की प्रशंसा

अभिनेत्री काम्या पंजाबी को कलर्स के 'नीरजा... एक नई पहचान' में दीदुन के किरदार है। यह सेक्सवर्कर प्रॉतिमा की कहानी है, जो अपनी बेटी नीरजा को बेहतर से बेहतर पालन-पोषण देने की कोशिश करते हुए रेड-लाइट एरिया में रहने की चुनौतियों का सामना करती है। काम्या ने सोनागाछी की मैडम, दीदुन की शानदार भूमिका के साथ, दृढ़ संकल्प किया है। काम्या कहती है- "मै वास्तव में सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह विचारोत्तेजक सोशल ड्रामा है। इसका उद्देश्य उन कलंकों और पूर्वाग्रहों पर प्रकाश डालना है, जिनका सामना रेड-लाइट इलाकों के निवासी करते है। दीदुन का किरदार ताकत, मजबूत और सशक्त है, मेरा लक्ष्य न केवल सम्मोहक कहानी को जीवंत करना है, बल्कि इस विषय की गंभीर चिंताओं के बारे में जागरूकता फैलाना भी है जिन पर हमारा ध्यान जाना चाहिए।"

डेजी की 'किस्मत'

स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 13' जंगल थीम पर आधारित है जो दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन में भयानक चुनौतियों का सामना कर रहे है। होस्ट रोहित शेट्टी पहली बार रेड फंदा सप्ताह शुरू करेग। रेड फंदा के नियमों के अनुसार अपनी स्थिति का बचाव करने के लिए डेज़ी को दो प्रतियोगियों से प्रतिस्पर्धा करनी होगी, जिन्हें एलिमिनेशन के खतरे से मुक्ति पाने के लिए उनसे बेहतर प्रदर्शन करना होगा। डेज़ी ने कहा, "स्टंट करना रोमांचक था, जिसमें पानी और ऊंचाई दोनों शामिल थे।

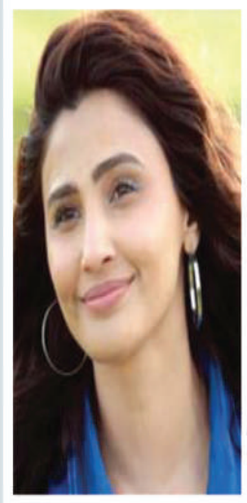

औरत बनकर मैं बेहतरीन दिखता हूं- आसिफ

एण्डटीवी का शो 'भाबीजी घर पर है' में विभूति नारायण मिश्रा का किरदार निभा रहे आसिफ शेख खूबसूरत, दिलकश और शरारती लड़की का भेष धारण करने जा रहे है। आसिफ ने कहा, "पंडित रामफल की बात सुनकर अम्माजी (सोमा राठौड़) को अंगूरी की जिन्दगी पर मंडरा रहे खतरे का एहसास होता है। उसे बचाने के लिये मनमोहन तिवारी (रोहिताश्व गौड़) को दूसरी महिलाओं पर डोरे डालने होंगे ताकि अंगूरी को जलन हो। "नॉटी र्ग गैग" जो कुछ लड़कियों का ग्रुप है, जो पैसा पाने के लिये प्रभावशाली कारोबारियों का मनोरंजन करती है। वे "नॉटी र्ग गैग" की मेम्बर्स का रूप धारण करने का फैसला करते है, जिससे अंगूरी बहुत बेचैन हो जाती है।"पर्दे पर अलग-अलग तरह के मनोरंजक किरदार निभाने पर समझाते हुए, आसिफ ने आगे कहा, "हम हमेशा से अपनी हास्यप्रद, गुदगुदाने वाली कहानियों और किरदारों के जरिए हंसाने की कोशिश करते है। मैंने जो भी महिला किरदार निभाया है, उसे बहुत प्यार और तारीफ दी है।

मुक्ति ने ऑफर की स्कॉलरशिप

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का डांस रियलिटी शो 'इंडियाज़ बेस्ट डांसर 3' 'गुरु-स्वैप चैलेंज' में कंटेस्टेंट्स को परखा।पॉपुलर कॉमिक कपल - भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया, स्पेशल गेस्ट्स - हर्षदीप कौर और मुक्ति मोहन नए सिंगल 'वाह सजना' को प्रमोट करने आए। कंटेस्टेंट अंजलि ममगई की जोरदार परफॉर्मेंस से प्रभावित होकर स्पेशल गेस्ट एवं प्लेबैक सिंगर हर्षदीप कौर कहेंगी, "अंजलि आप रॉकस्टार हो! आप वाकई कमाल की डांसर है। मै तो हैरान थी! बॉडी मूवमेंट्स बिल्कुल अलग और देखने में बड़ी दिलकश लगती है। "मुक्ति मोहन ने कहा, "अंजलि पूरा सेट डांस कर रहा था और हम भी एंजॉय कर रहे थे। साफ-सुथरे मूव्स और बड़े खुशनुमा एक्सप्रेशन्स थे। मै खुद भी चार बहनों में से हूं इसलिए मै बड़ी बहन होने की जिम्मेदारी समझ सकती हूं। अफसोस है कि आप पढ़ाई नही कर रही है इसलिए आज मै आपको स्कॉलरशिप देना चाहती हूं, जहां आप मुफ्त में परफॉर्मिंग आर्ट्स या जो भी चाहे, वो सीख सकते है। ।"

लौटीं नीति मोहन

ज़ीटीवी का आइकॉनिक सिंगिंग रियलिटी शो सारेगामापा फिर देश के उभरते सिंगर्स को मधुर आवाज सुनाने और संगीत की दुनिया में करियर बनाने

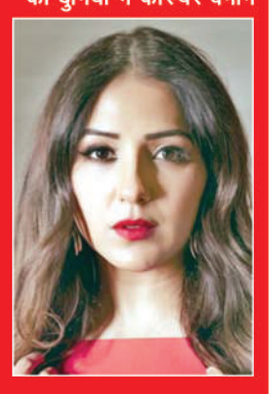

का मौका देने वापस आ आया है।हिमेश रेशमिया के बाद अब सिंगर नीति मोहन भी जजिंग पैनल में शामिल कर लिया है। नीति मोहन 2022 में भी सारेगामापा लिटिल चैप्स की जज रह चुकी है। नीति ने कहा, "मैं बेहद रोमांचित हूं। "यह सीज़न खास अभियान के साथ और भी बेहतर हो गया है, जिसमें टॉप परफॉर्मिंग सिंगर्स को इस सीज़न के खत्म होने से पहले ही अपना ओरिजिनल गाना रिकॉर्ड करने का मौका मिलेगा, जिसे ज़ी म्यूजिक कंपनी रिलीज करेगी।

पंकज धीर लेंगे नया अवतार

जाने-माने कलाकार पंकज धीर स्टार भारत के शो 'अजूनी' में रविंदर बग्गा के चरित्र में है लेकिन जल्द ही नया अवतार देखने को मिलने वाला है, जो उनका डबल रोल होगा। जो पेशे से शिक्षक है, उनका नाम ज्ञानेश्वर सिंह है, जो बहुत ही आज्ञाकारी, सरल और बार-बार सभी को साइलेंस बोलते हुए नज़र आएँगे। यह हूबहू दबंग बाहुबली रविंदर बग्गा की तरह नज़र आते है।

बॉलीवुड

संदीपा धर का गीत 'बर्बाद'

संदीपा धर नवीनतम गीत "बर्बाद" के साथ तैयार है। जैकलीन फर्नांडीज अभिनीत बादशाह के ट्रैक "पानी पानी" की टीम द्वारा निर्देशित, बर्बाद रिलीज़ हो गया। संदीपा ने बताया "बर्बाद वास्तव में मेरे लिए विशेष गीत है। मैने इंटेंस इमोशंस को प्रदर्शित करने में वल्नरेबल महसूस किया लेकिन साथ ही इसने चुनौतीपूर्ण किरदारों में ढलने के लिए मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाया है। मैने शूटिंग के दो दिन लगातार रोते हुए बिताए। यह गाना लड़की की कहानी बताता है, जब वह अपने फ़िज़िकली अब्यूसिव बॉयफ्रेंड के दिल दहला देने वाले विश्वासघात को सहन करती है। "बर्बाद" उन लड़कियों के अनुभवों को उजागर करता है जो प्यार से बुरी तरह टूट गई है, कभी- कभी अपनी जान लेने तक का विचार करती है।"बर्बाद में संदीपा के साथ अभिषेक बजाज और क्षअय चौहान है। साक्षी होल्कर द्वारा गाया गया बर्बाद, संगीत मनदीप पंघाल के द्वारा रचित है।

शुभांगी अत्रे का पहला टैटू

शुभांगी अत्रे एण्डटीवी के शो 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाबी की भूमिका के लिये लोकप्रिय हैं। करीब 15 साल तक सोच-विचार करने के बाद शुभांगी ने आखिरकार टैटू बनवाया है। शुभांगी का यह कहना था. "टैटू आपकी अभिव्यक्ति के शक्तिशाली माध्यम होते हैं। मैं करीब दो दशकों से अपना पहला टैटू बनवाने की सोच रही थी। अनिश्चितताओं में गोते लगाने से लेकर डिजाइन के बारे में सावधानी से सोचने तक, त्वचा पर स्थायी कलाकारी करवाने के लिये मेरी इच्छा मेरी पहचान से जुड़े अलग अंदाज़ की लालसा से उपजी। इसका महत्व सबसे ज्यादा था क्योंकि यह जिनेभर मेरे साथ रहेगा। आखिरकार मैंने खूबसूरत टैटू बनवाया, जिसमें ओम का प्रतीक और कमल हैए यह दोनों मेरे लिये गहरे मायने रखते हैं।

स्नेहा वाघ मायरा के साथ

मां और बेटियां की जोड़ी साथ मिलकर काफी शक्तिशाली हो सकती है। कलर्स के 'नीरजा... एक नई पहचान' प्रॉतिमा और उनकी बेटी नीरजा के बीच का प्यारा रिश्ता है। छोटी नीरजा की भूमिका में अभिनेत्री मायरा वैकुल, प्रॉतिमा की भूमिका में स्नेहा वाघ, और दीदुन के रूप में काम्या पंजाबी ने काम किया है। स्नेहा वाघ ने खुलासा किया, "मुख्य आकर्षण मायरा है। मायरा के ज़रिये मुझे अपना बचपन फिर से जीने का मौका मिला। उसमें भी मेरी जैसी ही मासूमियत, जिज्ञासा और नई चीजें सीखने की ललक है।

तुषार खन्ना यात्रा उत्साही

तुषार खन्ना न केवल अपने अभिनय कौशल के लिए बल्कि यात्रा के प्रति अपने जुनून के लिए भी जाने जाते हैं। अपने बीज़ी शेड्यूल के बावजूद, वह हमेशा अपने ट्रैवल गोल्स के लिए समय निकाल लेते हैं, चाहे वह क्विक गेटअवे हो या अच्छी तरह से नियोजित पारिवारिक छुट्टियां। नई

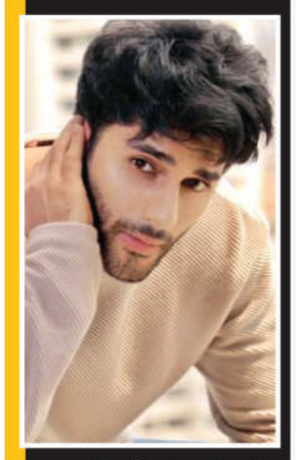

जगहों की खोज के प्रति उनका प्यार उन्हें स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों जगहों पर ले गया है। हाल ही में, तुषार बैंकॉक, थाईलैंड की यात्रा पर निकले, जहां उन्हें बीचेस और पहाड़ों के नज़ारों का मज़ा लेने का अवसर मिला। साहसिक शौक़ीन होने के कारण, तुषार रोमांचक अनुभवों से नहीं कतराते।

अर्पिता का सिंगल

अर्पिता चक्रवर्ती ने अमिताभ बच्चन-अजय देवगन अभिनीत फिल्म 'सत्याग्रह' के 'रस्के भरे तोरे नैन' जैसे शास्त्रीय-प्रभावित गाने गाने से लेकर 'पैसा ये पैसा' ('टोटल धमाल') कमर्शियल नंबर को गाने तक, विभिन्न शैलियों में प्रदर्शन किया है। बॉलीवुड के अलावा, उन्होंने बंगाली और मराठी सहित कई भाषाओं में कई लोकप्रिय गाने गाए है। अब अर्पिता ने एकल 'बखुदा' के साथ संगीतकार और गीतकार बनकर संगीत करियर की नई यात्रा शुरू की है। अर्पिता गायिका, संगीतकार और गीतकार की तिहरी भूमिका निभाती नजर आएंगी, ज़ी म्यूजिक कंपनी द्वारा जारी किया जाएगा। अर्पिता कहती है, "गाना वास्तव में आपका तब होता है जब उसमें अपनी सारी भावनाएँ, शब्द और भावनाएँ डालते है। 'बखुदा' के साथ मुझे ऐसा करने की आजादी थी। मैंने राग बनाने और छंद लिखने की कोशिश की है।" 'आओ हुजूर तुमको', 'है इसी में प्यार की आबरू', 'तुझसे नाराज नही जिंदगी' और कई अन्य क्लासिक्स के उनके कवर संस्करण सारेगामा द्वारा जारी किए गए है।

75वीं वर्षगांठ की तैयारी

सोनी सब का वंशज पारिवारिक संघर्ष, राजनीतिक ड्रामा, और जटिल रिश्तों के जाल को साथ बुना है अंजलि तत्रारी अभिनीत युविका को महाजन व्यवसाय की 75वी वर्षगांठ के लिए महत्वपूर्ण काम सौंपा गया है।अंजलि ने कहा, ''युविका खासतौर पर दादा बाबू (पुनीत इस्सर) की भूमिका की सराहना करने का पूरा प्रयास करती है। लेकिन उसके अब तक के सभी प्रयासों की तरह, यह काम भी चुनौतियों से भरा है। ''

अन्नू कपूर फिर खेलेंगे अंताक्षरी

अंताक्षरी ऐसा खेल है, जो विशेष स्थान रखता है क्योंकि यह संगीत के माध्यम से दोस्तों एवं परिवारवालो को साथ बांध के रखता है 7 जब अंताक्षरी की बात हो तो ऐसे में हम अन्नू कपूर का यादगार शो और उसकी टीम कैसे भूल सकते है7 एक बार फिर क्लासिक म्यूजिकल गेम फॉर्मेट 'बिग अंताक्षरी' के नाम से रेडियो पर यानी कि बिग एफ पर वापस है, जिसके होस्ट होंगे अंताक्षरी की जान अन्नू कपूर । जुड़ाव को ऊंचा रखते हुए, बिग अंताक्षरी संगीत, पुरानी यादों, फिल्म ट्रिविया, गेमिफिकेशन, सक्रिय और निष्क्रिय भागीदारी और मेगा पुरस्कार जैसे विभिन्न पहलुओं के माध्यम से मनोरंजन प्रदान कर अनुभवी अभिनेता और एंकर अन्नू कपूर ने बिग अंताक्षरी पर बात करते हुए कहा- "मै इस उत्साहित हूं ,जिसने दशकों से प्रशंसकों को एकजुट किया है।

जिंदगी के मजबूत सहारे

हमारे पैरेंट्स और हमारी जिंदगी में उनके उनकी अनमोल भूमिका को सेलिब्रेट करने का दिन हर साल जुलाई के चौथे रविवार को मनाया जाता है। यह दिन उस बेशुमार प्यार, त्याग और मार्गदर्शन को याद करने का दिन है जो हमारे पेरेंट्स हमारे लिए करते है। मां-बाप पहले टीचर्स, मेंटर्स और रोल मॉडल्स होते है, जो हमें जिंदगी के अनमोल सबक सिखाते है और हमारे चरित्र की नीव रखते है। एक्टर्स ने अपने मां-बाप के प्रति अपना निस्वार्थ प्यार और आभार जताया-

ऐश्वर्या खरे - मेरे लिए मेरे मां-बाप मेरी जिंदगी के सबसे महत्वपूर्ण इंसान है। वो न सिर्फहमारा ख्याल रखते है बल्कि हमारा मजबूत सहारा भी है। पैरेंट्स हमारे जन्म से ही हमारा अटूट सपोर्ट सिस्टम और हमारे सबसे बड़े चीयरलीडर्स होते है, जो हमारी परवरिश करते है, निस्वार्थ भाव से हमें सही राह दिखाते है और हमें वो इंसान बनाते है जो हम आज है। मै खुशनसीब हूं कि मेरा जन्म ऐसे परिवार में हुआ, जहां मेरे पैरेंट्स हमेशा मेरे साथ रहे और मुझे जिंदगी में और बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। मै उनकी आभारी हूं और हमेशा रहूंगी।

अपर्णा मिश्रा - निस्वार्थ प्यार और मार्गदर्शन हमारे पैरेंट्स हमें देते है। उन्होंने हमारे लिए जो किया है, उसे कभी नहीं चुकाया जा सकता लेकिन कम से कम हम इतना जरूर कर सकते है कि हमेशा उनके लिए मौजूद रहें। वो हमसे ज्यादा कुछ नहीं चाहते और हम भी अपनी जिंदगी में व्यस्त रहते है लेकिन अपने पैरेंट्स के लिए वक्त निकालना बहुत जरूरी है। मै उन सभी पैरेंट्स को शुक्रिया कहना चाहूंगी, जिनका प्यार और विश्वास इस दुनिया को बेहतर जगह बनाता है। अपने बच्चों का साथ दिया और उनके सपनों को उड़ान दी। उनके अटूट विश्वास के कारण ही बच्चे हर मंजिल पार कर जाते है.

पंकज बेरी- "आज के समय में, जहां बहुत अधिक ध्यान भटकता है, और हम अपने ही कामों में व्यस्त रहते है, यह बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम अपने जीवन में माता-पिता की अमूल्य भूमिका को पहचानें। अक्सर, हम अनजाने में उन्हें हल्के में ले लेते है, भूल जाते है कि उन लोगों ने लगातार और निस्वार्थ भाव से अपनी भलाई से पहले हमारी भलाई को महत्व दिया है।

सुमीत रघवन- वास्तविक जीवन में मै ऐसा माहौल बनाने की कोशिश करता हूं, जहां मेरे बच्चे आत्मविश्वास से खुद को अभिव्यक्त कर सकें। जिस तरह मेरे ऑन-स्क्रीन माता-पिता, राधिका और श्रीनिवास, मुझे अटूट समर्थन देते है, वैसे ही मै भी शो में सखी और अथर्व को प्यार देने, उन्हें समझने और उनका मार्गदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। यह दिन हमें माता-पिता-बच्चे के अनमोल रिश्तों को संजोने और उसे बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करता है। यह रिश्ता विश्वास, संचार और आपसी सम्मान पर आधारित मजबूत बंधन को बढ़ावा देते हुए, हमारे जीवन को आकार देता है।"

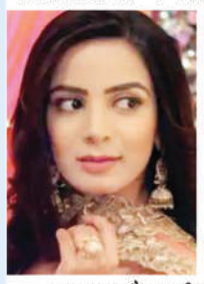

निक्की शर्मा - मैं अपनी मॉम, उन सभी कमाल के पैरेंट्स, सिंगल पेरेंट्स और खासतौर से उन बेमिसाल महिलाओं के प्रति दिल से आभार जताती हूं, जो मां और बाप दोनों की जिम्मेदारी निभा रही है। उनका प्यार, अपनापन और समर्पण इस दुनिया क बेहतर जगह बनाता है। मै खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे मां मिली, जो मुझे राह दिखाती है, जो मेरी प्रेरणा और मेरा पूरा सपोर्ट सिस्टम है। उनके प्यार और त्याग ने मुझे आज वो बना, जो मै आज हूं। मेरी मॉम मेरी सबसे बड़ी चीयरलीडर और मेरा सबसे बड़ा सहारा है और उन्होंने हमेशा मुझमें विश्वास जताया।

चिन्मयी साल्वी- मै उन अद्भुत पेरेंट्स के प्रति आभार व्यक्त करती हूं जिन्होंने मेरे जीवन को आकार दिया है। उनके निस्वार्थ प्यार, समर्थन और बलिदान ने ही मुझे आज इस मुकाम तक पहुंचाया है। वे मेरे मार्गदर्शक रहे है, मुझे महत्वपूर्ण सबक सिखाते रहे है और मुझे अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते रहे है।

शीहान कपाही- "वागले की दुनिया में राजेश और वंदना के रूप में सख्त और प्यार करने वाले माता-पिता मिले है। उनके मार्गदर्शन और स्नेह ने अथर्व के व्यक्तित्व को आकार दिया है और उसे जीवन के महत्वपूर्ण सबक सिखाए है। मै अपने वास्तविक जीवन के माता-पिता के प्रति आभार और सम्मान व्यक्त करना चाहता हूं, जो हर कदम पर हमारा उत्थान और सशक्तिकरण करते है।"

कावेरी प्रियम- "आज की व्यस्त दुनिया में अपने माता-पिता को महत्व देना अहम है, तब भी जब हम अपने खुद के जीवन में फंस जाते है और अनजाने में उनके महत्व को नज़रअंदाज़ कर देते है। इसके बावजूद, हमारे माता-पिता हमेशा हमारी भलाई को प्राथमिकता देते है और हमारा ध्यान देते है। वे हर उतार-चढ़ाव में मेरे साथ खड़े रहे है, ढेर सारा समर्थन और मार्गदर्शन देते रहे है।

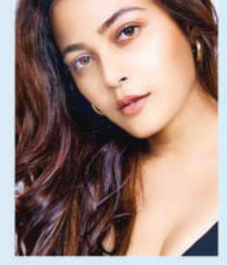

निहारिका रॉय - पैरेंट्स हमारी ज़िंदगी में सबसे खास भूमिका निभाते हैं। उन्हीं की वजह से हम अपनी जिंदगी में इस मुकाम पर पहुंचे हैं। मैं पेरेंट्स के सपोर्ट के बिना कभी इस पड़ाव तक पहुंच पाती। वो हमारी जिंदगी के मेन हीरोज हैं, उनके बिना मैं एक दिन भी गुजारा नहीं कर सकती। कहीं किसी उलझन में फंस जाती हूं तो उन्हें कॉल करके उनकी सलाह लेती हूं कि मुझे क्या करना चाहिए। उन्होंने मुझे सिखाया कि हमेशा अपने दिल की सुनो। मैं हर चीज के लिए उन्हीं के पास जाती हूं।

गजराज ने कियारा को सुपरवुमन बुलाया

कियारा आडवाणी को सत्यप्रेम की कथा के सह-अभिनेता गजराज राव से सबसे प्यारा वीडियो संदेश मिला, जिन्होंने उन्हें असाधारण टैलेंट वाली सुपरवुमन कहकर उनकी कड़ी मेहनत, प्रतिभा और समर्पण की सराहना की। पहली बार, सह-कलाकार ने इंस्टा डीएम के माध्यम से गेस्ट से प्रश्न पूछा। गजराज का वीडियो संदेश चलाते हुए, अभिनेत्री से पूछा गया कि वह अपनी स्क्रिप्ट के पन्नों को कैसे याद रखती है और सहजता से अपने डॉयलॉग्स को पूरे भावनाओं के साथ पेश करती है, जो तुरंत जुड़ जाती है। अपने अप्रतिम परफॉरमेंस के लिए भरपूर प्यार और सराहना अर्जित करते हुए, कियारा आडवाणी ने अपने सुपरस्टारडम को और ऊपर उठाया है और टॉप पर पहुंच गई है। राम चरण की सह-अभिनीत एस शंकर की गेम चेंजर की प्रतीक्षा में, कियारा ऋितक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ वॉर 2 के साथ स्पाई यूनिवर्स में प्रवेश करने के लिए तैयार है।

भारत में विभिन्न अवसरों पर उपहार देने की परंपरा काफी प्राचीन है। कहते हैं कि तोहफों के लेनदेन से आपस में मोहब्बत बढ़ती है। लेकिन तोहफों का लेनदेन करने से पहले इस बात की जानकारी अवश्य कर लें कि कौन से तोहफे इनकम टैक्स के दायरे में आते हैं और कौन से तोहफों पर इनकम टैक्स से छूट मिलती है

गिफ्ट पर भी लग सकता है टैक्स

कमाल अहमद रूमी

आर्थिक पत्रकार

वित्त वर्ष 2022-23 और असेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख यानी 31 जुलाई अब नजदीक आ गई है। यूं तो कई बार आयकर विभाग रिटर्न भरने की समयसीमा बढ़ा देता है लेकिन इस बार अभी तक तारीख बढ़ाई नहीं गई है। लेकिन फिर भी जानकारों का मानना है कि कई राज्यों खासकर हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में भारी बारिश और बाढ़ के कारण हालात काफी खराब हो चुके हैं अतः आयकर विभाग रिटर्न भरने की तारीख बढ़ा सकता है। हालांकि राजस्व सचिव द्वारा हाल ही में कहा गया है कि इस बार रिटर्न भरने की तारीख बढ़ाने का सरकार का कोई इरादा नहीं है लेकिन फिर भी लोगों को उम्मीद है कि सरकार आम आदमी की परेशानियों को देखते हुए तारीख बढ़ा सकती है। फिलहाल रिटर्न भरने की अंतिम तिथि 31 जुलाई ही है अतः इस तिथि से पहले रिटर्न अवश्य दाखिल कर दें। रिटर्न दाखिल करते वक्त एक बात का खास ध्यान रखें कि अगर आपको वित्त वर्ष 2022-23 में दिवाली, होली, दशहरा, ईद, बर्थडे या मैरिज एनिवर्सरी पर कोई गिफ्ट मिला है तो उस गिफ्ट का खुलासा अपने रिटर्न में अवश्य करें अन्यथा आयकर विभाग इसकी जानकारी मिलने आपको नोटिस भेज सकता है।

गिफ्ट को इनकम मानता है आयकर विभाग

होली, दिवाली, ईद, जन्मदिन या मैरिज एनिवर्सरी पर मिलने वाले तोहफों को आयकर विभाग 'अन्य स्रोत से आय' की श्रेणी में रखता है। जितने मूल्य के तोहफे पूरे वित्त वर्ष के दौरान आपको मिले होंगे आयकर विभाग उसकी कीमत को आपकी इनकम में जोड़कर उसपर कर देनदारी निकाल देगा। आपको यह टैक्स चुकाना जरूरी है अन्यथा आयकर विभाग आपको नोटिस भेज सकता है।

किस पर है टैक्स

पूरे वित्त वर्ष के दौरान अगर किसी व्यक्ति को 50 हजार रुपए की कुल कीमत से ज्यादा मूल्य के तोहफे मिलते हैं तो रिटर्न भरते वक्त उस व्यक्ति को इसे अपनी सालाना आय में दर्शाना होगा। यह तोहफे पूरे वित्त वर्ष के दौरान अलग-अलग महीनों में और अलग-अलग कीमत वाले हो सकते हैं लेकिन वित्त वर्ष की समाप्ति तक अगर इन तोहफों का मूल्य 50 हजार रुपए से ज्यादा हो जाता है तो इन तोहफों पर आयकर कानून के सेक्शन 56(2)(X)कर देनदारी बनेगी।

किन तोहफों पर नहीं लगता है टैक्स

अगर किसी व्यक्ति को अपने किसी नजदीकी या ब्लड रिलेशन वाले परिजन से कोई गिफ्ट मिलता है तो वह टैक्स के दायरे में नहीं आता है। कोई भी व्यक्ति अपने माता-पिता, भाई-बहन, दादा-दादी, नाना-नानी इत्यादि से जितना चाहे उतनी कीमत का तोहफा हासिल कर ले, आयकर विभाग इन तोहफों पर किसी प्रकार की कर वसूली नहीं करता। इसके अलावा अगर किसी व्यक्ति को वसीयत या विरासत में कोई संपत्ति मिली है तो वह भी कर छूट की श्रेणी में मानी जाती है। पति या पत्नी का कोई नजदीकी परिजन अगर गिफ्ट देता है तो वह भी कर छूट के दायरे में ही आएगा। इसके अतिरिक्त हिन्दू अविभाजित परिवार के किसी सदस्य से अगर कोई गिफ्ट आपने प्राप्त किया है तो उस पर भी टैक्स नहीं लगेगा। किसी स्थानीय निकाय जैसे नगर निगम या पंचायत आदि से आपको किसी उत्कृष्ट कार्य के एवज में कोई गिफ्ट मिला है तो वह गिफ्ट भी आयकर छूट की श्रेणी में रखा गया है। इसी तरह विश्वद्यिालय, फाउंडेशन, शैक्षणिक संस्था या हास्पिटल इत्यादि से मिला गिफ्ट भी टैक्स छूट के दायरे में ही है। साथ ही किसी सहायतार्थ संस्था से मिला गिफ्ट, धार्मिक संस्था से मिला गिफ्ट, नौकरीपेशा वर्ग को नियोक्ता द्वारा मिला गिफ्ट भी टैक्स छूट के दायरे में है। यहां पर ध्यान रखें कि नियोक्ता द्वारा अगर पांच हजार रुपए मूल्य तक का गिफ्ट दिया जाता है तो सिर्फ वही गिफ्ट कर छूट के दायरे में होगा। इससे ज्यादा कीमत का गिफ्ट अगर पूरे वित्त वर्ष में नियोक्ता द्वारा दिया जाता है तो उस पर टैक्स लग जाएगा।

वैवाहिक गिफ्ट भी टैक्स फ्री

किसी महिला या पुरुष को उसकी शादी में जो भी गिफ्ट मिलते हैं वे सारे गिफ्ट कर छूट के दायरे में रखे गए हैं। इसके बावजूद शादी में मिले गिफ्ट की जानकारी हर व्यक्ति को अपने आयकर रिटर्न में देनी चाहिए। साथ ही शादी का कोई प्रूफ भी देना होगा ताकि आयकर विभाग यह समझ सके कि वास्तव में आपकी शादी हुई है और यह गिफ्ट आपको आपकी शादी में ही मिले हैं।

किन गिफ्ट पर लगता है टैक्स

अब सवाल यह उठता है किसी भी व्यक्ति को पूरे वित्त वर्ष के दौरान विभिन्न प्रकार के गिफ्ट मिलते रहे हैं लेकिन सवाल यह उठता है कि कौन सा गिफ्ट इनकम टैक्स के दायरे में आएगा और कौन सा नहीं। तो आप समझ लीजिए कि नकद या चेक के जरिए मिली 50 हजार रुपए से ज्यादा की रकम टैक्स के दायरे में आती है। इसके अलावा आवासीय या व्यावसायिक भूमि अथवा भवन, व किसी भी प्रकार की ऐसी अचल संपत्ति जिस पर 50 हजार रुपए से ज्यादा का स्टांप शुल्क लगा हो वह भी आयकर के दायरे में मानी जाएगी। इसके अतिरिक्त 50 हजार रुपए से ज्यादा मूल्य वाले आभूषण, पेंटिंग्स अथवा शेयर भी टैक्स के दायरे में रखे गए हैं।

री-सेल प्रापर्टी को किन कसौटियों पर कसें

प्रदीप मिश्रा

एक्सपर्ट, रियल एस्टेट

सिर्फ दिल्ली-एनसीआर ही नहीं अपितु देश के अनेक हिस्सों में री-सेल के लिए संपत्तियां आती रहती हैं साथ ही पुराने विकसित इलाकों में आम तौर पर नई संपत्तियों की अपेक्षाकृत पुरानी या री-सेल की संपत्तियां ही उपलब्ध रहती हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि नए विकसित हो रहे क्षेत्रों में बन रही नई संपत्तियां ताजगी का अहसास कराती है लेकिन पहले से विकसित हो चुके इलाकों की अहमियत भी कुछ कम नहीं होती। ऐसे इलाकों की संपत्तियों में निवेशक और खरीदार उसकी लोकेशन की वजह से वरीयता देते है। वैसे एक खरीदार के तौर पर आप चाहे कहीं भी संपत्ति खरीदें आवश्यक यह है कि आप उसे उचित मूल्य पर खरीदने में सफलता अर्जित करें क्योंकि जब भविष्य में उसे बेचने की आवश्यकता हो तो आपके लाभ का प्रतिशत अधिक रहे। जाहिर है कि महंगे दाम पर खरीदी संपत्ति को बेचने पर लाभ कम होगा जबकि सस्ते दाम पर खरीदी संपत्ति से वह प्रतिशत बढ़ जाएगा। ऐसे में जब री-सेल पर आप कोई प्रॉपर्टी खरीदने का विचार कर रहे हों तो उसके सही मूल्यांकन के लिए उसकी कीमत को नीचे दी हुई कसौटियों पर कसने का प्रयास करें लेकिन उससे पहले यह समझ लें कि री सेल की संपत्ति का वास्तविक अर्थ क्या होता है।

कोई संपत्ति स्वयं यह नहीं कहती या बताती कि उसका स्वामी कौन है। उसके स्वामित्व का पता सिर्फ उससे जुड़े कागजात से मिलता है। ऐसे में अगर आप री-सेल वाली कोई संपत्ति खरीद रहे हैं और विक्रेता आपको संपत्ति के जो मूल कागजात दिखा रहा है उसकी फोटो प्रति लेकर पंजीकरण कार्यालय में भी जाकर तहकीकात जरूर करें

किसे कहते हैं 'री-सेल' प्रॉपर्टी

'री-सेल' प्रॉपर्टी को साधारण शब्दों में परिभाषित करें तो इसका सरल अर्थ यह है कि 'एक ऐसी संपत्ति जो पहले से किसी खरीदार ने खरीदी हुई हो और उसके द्वारा उसका उपयोग किया जा चुका हो। वह उपयोग उस खरीदार के जरिये खुद के रूप में हो सकता है या फिर वह उस संपत्ति को किसी अन्य व्यक्ति को किराये पर देकर उससे आय प्राप्त कर रहा हो। आइए अब समझते हैं कि री-सेल वाली प्रापर्टी को खरीदने में कौन-कौन सी कसौटियां आपको एक अच्छी प्रापर्टी दिला सकती हैं।

लोकेशन का गहन अध्ययन जरूरी

आप जिस इलाके में संपत्ति खरीदने जा रहे है उस क्षेत्र का गहन अध्ययन करना आवश्यक है। सबसे पहले उस इलाके के इन्फ्रास्ट्रक्चर और इससे जुड़ी संभावित एवं प्रस्तावित परियोजनाओं के बारे में जानें। इन्फ्रास्ट्रक्चर का अर्थ उस इलाके तक पहुंच के साधनों जैसे सड़कें, फ्लाईओवर, बस और मेट्रो के अलावा रेलवे की सुविधा के साथ अस्पताल, स्कूल, कालेज, बिजली-पानी की सुविधा, रीक्रिएशनल एक्टिविटीज व मनोरंजन की सुविधाएं, पार्क वगैरह से है। ऐसे किसी भी क्षेत्र में यदि इन सुविधाओं का आधिक्य होगा तो निश्चय ही वहां की संपत्तियों की मांग अधिक होगी। अब हम यहां अर्थशास्त्र के 'मांग और आपूर्ति' ने नियम के अनुसार देखें तो जहां आपूर्ति कम होगी और मांग अधिक, वहां दामों की अधिकता होना तय है। ऐसे में जब आप उस क्षेत्र विशेष के इन्फ्रास्ट्रक्चर का अवलोकन कर रहे हों तो समान रूप से तय आकार व लोकेशन के साथ ही उसकी बनावट को ध्यान में रखते हुए कीमत भी पता लगाते रहें और उसका तुलनात्मक विश्लेषण भी जरूर कर लें।

कीमत की तुलना और समीक्षा

यह ध्यान रखें कि एक ही क्षेत्र में मौजूद एक जैसी दिखने वाली संपत्तियों की कीमत कभी एक समान नहीं होती। ऐसा उसकी बनावट, उसकी नवीनता, उसकी फिनिशिंग, उसकी गुणवत्ता, उसमें मौजूद सुविधाओं के साथ ही उसकी लोकेशन उस संपत्ति की कीमत का निर्धारण करने में मुख्य भूमिका निभाती है। अक्सर ऐसा देखने को मिलता है कि किसी इलाके में पार्क या रोड फेसिंग और बेहतरीन इंटीरियर वाली संपत्ति 20 हजार रुपए प्रति वर्ग फुट के दाम पर बिकी हो तो उसी इलाके में मौजूद संपत्ति के दूसरे स्वामी भी अपनी संपत्ति का वही दाम तय कर देते हैं भले ही लोकेशन और फिनिशिंग के लिहाज से वह संपत्ति दोयम ही क्यों न हो। इसलिए कीमत की समीक्षा के लिए बेहतर यही होगा कि आप उस इलाके की कुछ संपत्तियों की बाहरी संरचना के साथ ही उसके भीतर के पेंट पॉलिश, वुड वर्क, सीढ़ियों की बनावट, लिफ्ट आदि की सुविधा पर ध्यान दें और उसके बाद ही किसी निर्णय पर पहुंचें।

प्रॉपर्टी डीलर्स हो सकते हैं मददगार

प्रॉपर्टी डीलर या फिर ब्रोकर ऐसे शख्स है जिन्हें अपने क्षेत्र की पूरी जानकारी होती है जैसे वहां कौन सी संपत्तियां किराये या बिकने की लिए उपलब्ध है, पूर्व में कौन सी संपत्तियां कितने दाम पर बिकी है साथ ही किसी संपत्ति की उचित कीमत कितनी होनी चाहिए। एक अच्छा ब्रोकर आपको यह जानकारी मुहैया करवा सकता है। लेकिन उससे यह जानकारी प्राप्त करने के लिए आपको उसका विश्वास पाना होगा साथ ही उस पर विश्वास करना भी होगा।

स्वामित्व और पंजीकरण की परख

री-सेल वाली संपत्तियों की खरीद के बाद अक्सर उसके स्वामित्व को लेकर विवाद की स्थितियां भी बनती हुई देखी जाती है। ऐसे में जब भी आप ऐसे किसी सौदे को अंजाम देने वाले हों तो यह जरूर सुनिश्चित करें कि आप जो संपत्ति जिससे खरीद रहे है वही उसका वास्तविक स्वामी है। इसके साथ ही यह भी पता कर लें कि उसके स्वामित्व को लेकर उसके ही परिवार में किसी के साथ कोई विवाद नही है। कई बार ऐसा भी होता है आपको जो व्यक्ति प्रॉपर्टी बेच रहा है उसे उसके पिता या फिर दादा ने खरीदी हो और वह वसीयत के जरिये संपत्ति के उस विक्रेता को मिली हो साथ ही वही वसीयत उस संपत्ति पर उसका मालिकाना हक बताती हो। ऐसी स्थिति में आपको उसके परिवार के दूसरे सदस्यों से अनापत्ति पत्र की मांग करनी चाहिए।

अखबारों में दे सकते हैं विज्ञापन

अगर आप री-सेल वाली कोई संपत्ति खरीद रहे हैं और चाहते हैं कि इस संपत्ति को लेकर कोई विवाद न हो तो इस बारे में और निश्चिंत होने के लिए आप समाचार पत्रों में विज्ञापन भी जारी करवा सकते है। विज्ञापन में आपके द्वारा यह घोषणा की जाएगी कि "मैं अमुक संपत्ति अमुक व्यक्ति से खरीद रहा हूं, अगर किसी को कोई आपत्ति हो तो वह व्यक्ति एक माह में आपसे संपर्क करके उक्त संपत्ति पर अपनी दावेदारी के दस्तावेज पेश कर सकता है। अन्यथा यह संपत्ति मैं विक्रेता से खरीद लूंगा।" ऐसा करने से यदि भविष्य में वह संपत्ति संभावित विवाद की स्थिति में आती भी है तो आपका कानूनी पक्ष मजबूत रहेगा।

पेट्स को सेहतमंद रखने में मददगार है पेट्स इंश्योरेंस

बीमा के व्यापक प्रचार-प्रसार और आम लोगों तक इसकी पहुंच के चलते बड़ी संख्या में लोग अब पालतू जानवरों का भी बीमा ले रहे हैं। ग्रेटर नोएडा और नोएडा में बीमा कंपनियों ने सौ से अधिक पालतू कुत्तों के लिए हेल्थ इंश्योरेंस पालिसी बेची हैं। 'पेट्स इंश्योरेंस पालिसी' की बढ़ती मांग के चलते बीमा कंपनियां पालतू जानवरों के लिए नित नए आकर्षक बीमा प्लान भी लांच कर रही हैं। पेट्स इंश्योरेंस के तहत आमतौर पर लोग अच्छी प्रजाति के पालतू कुत्तों का हेल्थ इंश्योरेंस कराने को प्राथमिकता देते हैं। बीमा कंपनियां आमतौर पर पालतू कुत्तों के लिए 20 लाख रुपए तक का हेल्थ इंश्योरेंस प्लान मार्केट में लांच कर चुकी हैं। पिछले दो वर्षों में पालतू कुत्तों के लिए हेल्थ इंश्योरेंस पालिसी खरीदने वालों की संख्या में खासी वृद्धि देखी गई है

अपूर्व कुमार दत्त

बीमा विशेषज्ञ

अगर कोई व्यक्ति लेब्राडोर रिट्रीवर, बीगल, बुलडॉग, फ्रेंच बुलडॉग, गोल्डन रिट्रीवर, रॉटवीलर, बॉक्सर, जर्मन शेफर्ड या पोडल जैसी बेहतरीन नस्ल वाले कुत्ते का पिल्ला खरीदता है तो उसे इसके लिए भारी कीमत चुकानी होती है। ऐसे में लाजिमी है कि वह इनके स्वास्थ्य का खूब ध्यान रखता है। चूंकि कुत्तों की यह नस्ल काफी महंगी होती हैं अतः इसे खरीदने वाला व्यक्ति यह कभी नहीं चाहेगा कि उसका कुत्ता बीमार हो और महंगा इलाज न मिल पाने के कारण वह दम तोड़ दे। इसलिए वह अपने बेहतरीन नस्ल वाले कुत्ते के लिए दस लाख रुपए तक का बीमा कवर वाला प्लान खरीदने में भी नहीं हिचकता। अगर कुत्ता वास्तव में उम्दा नस्ल वाला है तो उसके लिए ऊंचा कवर देने में बीमा कंपनी को भी कोई दिक्कत नहीं होती। यहां तक कि बीमा कंपनियां दस लाख रुपए के कवर वाला बीमा प्लान भी दे देती हैं। इसके लिए पेट्स इंश्योरेंस पालिसी बेचने वाली बीमा कंपनियों के पास पशु पक्षियों की नस्लों से जुड़ा डाटा भी होता है।

नस्ल के आधार पर तय होता है प्रीमियम

पेट्स इंश्योरेंस पालिसी बेचने वाली बीमा कंपनियां पशु पक्षियों की नस्ल के आधार पर हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम की धनराशि तय करती हैं। नस्ल के आधार पर प्रीमियम की रकम में कमी या वृद्धि हो सकती है।

थर्ड पार्टी कवर भी शामिल

पेट्स हेल्थ इंश्योरेंस प्लान बेचने वाली कंपनियां ऐसा प्लान भी रखती हैं जिसमें थर्ड पार्टी कवर भी जुड़ा हो। कहने का तात्पर्य यह है कि अगर किसी व्यक्ति का कुत्ता उसके पड़ोसी या किसी अन्य व्यक्ति को काट लेता है तो उस व्यक्ति के इलाज पर खर्च होने वाली रकम बीमा कंपनी द्वारा अदा की जाती है।

इमरजेंसी पेड माइंडिंग कवर

कभी-कभी ऐसा भी होता है कि घर के सदस्य कहीं किसी यात्रा पर चले जाएं तो पालतू जानवरों की देखभाल के लिए 'इमरजेंसी पेड माइंडिंग कवर' की भी सुविधा एक निजी बीमा कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है। ऐसे समय में पेट्स की देखभाल करने वाले को दैनिक भत्ते का भुगतान बीमा कंपनी द्वारा किया जाता है। इस योजना का प्रीमियम लगभग 350 रुपए महीने का आता है। इस योजना में कुत्ते की बीमारी, सर्जरी और अस्पताल में भर्ती होने के अलावा पालतू कुत्ते की मौत के बाद के खर्च भी कवर में शामिल होते हैं।

पेट्स इंश्योरेंस में कुछ सीमाएं भी

आप समझ ही गए होंगे कि आपके पालतू कुत्ते, बिल्ली आदि का वेटनरी डाक्टर से इलाज का खर्च कम करने में पेट्स हेल्थ इंश्योरेंस काफी मददगार है। इस प्रकार के बीमा से वास्तव में पालतू जानवरों के इलाज से जुड़े खर्चों का बोझ जरूर कम हो जाता है लेकिन इस तरह की बीमा योजनाओं में अनेक फायदों के साथ कुछ सीमाएं भी होती है। पालतू जानवरों के बीमा के तुलनात्मक अध्ययन से यह भी ज्ञात होता है कि इस तरह के बीमा के चयन में अनेकों चुनौतियां है, सामान्य तौर पर ऐसा इसलिए भी होता है क्योंकि सभी जानवरों के वर्गीकरण का एक स्तर निहित नही है। इसलिए इस वर्गीकरण के अंतर्निहित होने के कारण बीमा पालिसी में क्या-क्या सुविधाएं रखनी हैं और क्या नहीं इसके निर्धारण में कुछ दिक्कतें आ सकती है साथ ही इन दिक्कतों से बीमा कवर और प्रीमियम भी प्रभावित हो सकता है।

बीमा खरीदने में किन बातों का रखें ध्यान

यदि आप पालतू जानवरों के स्वास्थ्य बीमा की पालिसी का तुलनात्मक अध्ययन करते है तो आपको कुछ बिन्दुओं का ध्यान रखना जरूरी होता है। वेटनरी डाक्टरों का नेटवर्क कैसा है, कवर का प्रकार जैसे सिर्फ दुर्घटना का कवर लेना है या दुर्घटना के साथ-साथ बीमारी का कवर भी लेना है। बीमा कंपनी द्वारा दिये गए कवर में क्या शामिल है और क्या नहीं। जो शामिल है वह आपके पेट्स के लिए उचित है या नहीं इत्यादि। इसके अलावा अधिकतम कवर क्या है, प्रीमियम गणना किस प्रकार से होती है, दावा निस्तारण कैसे होता है, वेटिंग पीरियड है कि नही और कंपनी की छवि कैसी है इसकी जानकारी करनी भी जरूरी है। इस प्रकार की सभी जानकारियां सामान्य तौर पर बीमा कम्पनी के वेबसाइट पर रहती भी है, लेकिन उसके अतिरिक्त भी कोई और जानकारी चाहिए तो कंपनी के नजदीकी कार्यालय जाने से हिचकना भी नहीं चाहिए।

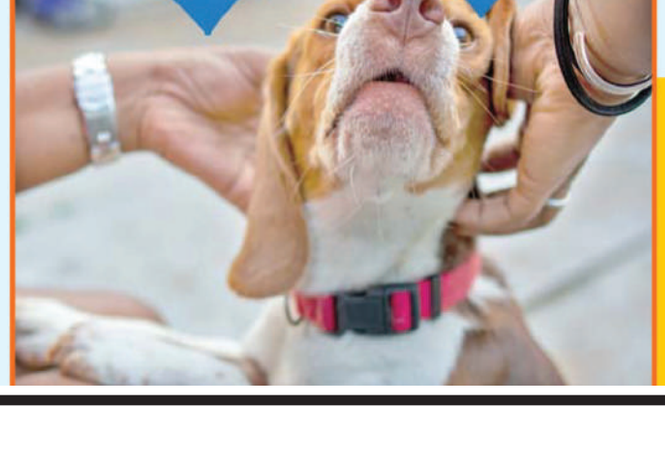

जैसी नस्ल वैसा बीमा प्लान

पेट्स के लिए हेल्थ इंश्योरेंस पालिसी बेचने वाली एक निजी बीमा कंपनी के अनुसार पेट्स की नस्ल जैसी होगी वैसा बीमा प्लान हमारे यहां उपलब्ध होता है। ज्यादातर ग्राहक पांच से दस लाख तक का बीमा कवर खरीद रहें हैं। कुत्तों के बीमा कवर में भी अस्पताल में भर्ती होने का पूरा खर्च बीमा कंपनी देती है। इसके अतिरिक्त कुत्ते के चोरी हो जाने और मृत्यु होने का भी अलग से बीमा कवर होता है और उसका प्रीमियम भी नस्लों के आधार पर तय होता है।

9 रन पर 4 विकेट धड़ाम, जीता मैच टाई, अंपायरिंग पर उठे सवाल

महिला क्रिकेट : बांग्लादेश के खिलाफ 1 रन से चूकी टीम इंडिया

ढाका, एजेंसी। भारत-बांग्लादेश बीच आईसीसी वूमेन्स चैम्पियनशिप के तहत हो रही वनडे सीरीज के आखिरी मैच में खूब ड्रामा देखने को मिला। मैच आखिरी ओवर में जाकर फंस गया, जहां जाकर यह मैच टाई रहा। इससे पहले दोनों ही टीमें एक-एक मैच जीतकर सीरीज में बराबरी पर थीं। बांग्लादेश ने पहले खेलते हुए 225/4 का स्कोर खड़ा किया। जवाब में टीम इंडिया 49.3 ओवर्स में 225 रनों पर आउट हो गईं। इस तरह टीम इंडिया महज 1 रन से जीत से चूक गई।

पिछले मैच में शानदार खेलने वाली जेमिमा रोड्रिग्स 33 रनों पर नाबाद रही। एक समय टीम इंडिया का स्कोर 216/6 था। इसके बाद टीम के लगातार 4 विकेट गिर गए और मैच टाई रहा। भारतीय टीम की ओर से हरलीन कौर ने 77 और स्मृति मंधाना ने 59 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से नाहिदा अख्तर ने तीन विकेट लिए, वहीं अंत में उन्होंने 2 विकेट लेकर मैच को भारत के जबड़े से जीत छीनी। आखिरी ओवर में भारत को जीत के लिए महज 3 रनों की जरूरत थी पर टीम इंडिया 3 गेंद पहले ही लुढ़क गई।

भारत के खिलाफ मैच टाई होने के बाद खुशी मनाती बांग्लादेशी महिला टीम की खिलाड़ी।

आखिरी ओवर और टाई का रोमांच

49वें ओवर के समापन पर टीम इंडिया का स्कोर 223/9 था, तब विकेट पर मेघना सिंह और जेमिमा रोड्रिग्स मौजूद थीं। मेघना 5 रन तो जेमिमा 32 रनों पर खेल रहीं थीं। इसके बाद आखिरी ओवर कप्तान निगार ने मारुफा अख्तर को दिया। फिर कुछ यूं हुआ...

49.1 ओवर 1 रन (मेघना)

49.2 ओवर 1 रन (जेमिमा)

49.3 ओवर मेघना आउट

क्या आउट नहीं थीं मेघना, अंपायर्स ने की बेईमानी?

ओवर की तीसरी गेंद पर मेघना 6 रन बनाकर बांग्लादेशी कप्तान और विकेटकीपर निगार खान को कैच थमा बैठीं। इस तरह मीरपुर में ड्रामा को मिला, मैच टाई रहा। हालांकि अंपायर के निर्णय से बल्लेबाज आउट दिए जाने से खुश नहीं दिखें।

हरमनप्रीत कौर ने भी अंपायरिंग पर उठाए सवाल

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी अंपायरिंग पर सवाल उठाए। हरमनप्रीत सिंह ने कहा, मुझे लगता है कि गेम से हमें बहुत कुछ सीखने को मिला, क्रिकेट के अलावा भी...। जिस तरह की अंपायरिंग हो रही थी उससे हम बहुत हैरान हैं। अगली बार जब हम बांग्लादेश आएंगे तो सुनिश्चित करेंगे कि हमें इस तरह की अंपायरिंग से कैसे निपटना है। उसके अनुसार खुद को तैयार करना होगा।

फरगाना हक ने बनाया रिकॉर्ड : बांग्लादेश की ओर से वनडे में शतक बनाने वाली पहली क्रिकेटर बनीं

फरगाना हक महिला वनडे में 1000 से अधिक रन बनाने वाली एकमात्र बांग्लादेशी बल्लेबाज हैं। शनिवार को मीरपुर में भारत के खिलाफ सीरीज के निर्णायक अंतिम एकदिवसीय मैच में बांग्लादेश को 4 विकेट पर 225 रन बनाने में मदद करने वाली पहली शतकवीर भी बन गई। इसके साथ ही बांग्लादेश ने वनडे में दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर भी बनाया। फरगाना को शमीमा सुल्ताना के शानदार अर्धशतक (52) से मदद मिली, जो वनडे में उनका दूसरा अर्धशतक था। बांग्लादेश की बैटर्स ने भारतीय गेंदबाजों के लिए चुनौती पेश की। सीरीज में पहली बार, पहले पावरप्ले में कोई विकेट नहीं गिरा। दरअसल, शमीमा और फरगाना ने भारतीय गेंदबाजों को रोके रखा था। बाद में बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना (24) और शोभना मोस्त्रे (22) तेजतर्रार पारियां खेलीं।

स्कोर बोर्ड

बांग्लादेश महिला	रन	गेंद	4/6
शमीमा कै.हरमनप्रीत बो.राणा	52	78	5/0
फरजाना रन आउट	107	160	7/0
निगार कै.कौर बो.राणा	24	36	1/0
मोनी कै.हरमनप्रीत बो.देविका	2	4	0/0
शोबना नाबाद	23	22	2/0

अतिरिक्त: 17, **कुल:** 50 ओवर में 225/4, **विकेट पतन:** 1-93, 2-164, 3-169, 4-225, **गेंदबाजी:** अमनजोत कौर 6-0-33-0, मेघना सिंह 6-0-28-0, दीप्ति शर्मा 10-2-37-0, स्नेह राणा 10-0-45-2, देविका वैद्य 10-0-42-1, जेमिमाह रॉड्रिग्स 2-0-9-0, शेफ़ाली वर्मा 6-0-31-0.

भारत महिला	रन	गेंद	4/6
मंधाना कै.मोस्तारी बो.ख़ातून	59	85	5/0
शेफ़ाली कै.एंड बो.मारुफ़ा	4	3	1/0
भाटिया पगबाधा बो.सुल्ताना	5	7	1/0
देओल रन आउट	77	108	9/0
हरमनप्रीत कै.ख़ातून बो.नाहिदा	14	21	2/0
रॉड्रिग्स नाबाद	33	45	0/0
दीप्ति रन आउट	1	1	0/0
अमनजोत पगबाधा बो.राबेया	10	17	0/0
राणा कै.एंड बो.नाहिदा	0	1	0/0
वैद्य कै.एंड बो.नाहिदा	0	2	0/0
मेघना कै.निगार बो.मारुफ़ा	6	7	1/0

अतिरिक्त: 16, **कुल:** 49.3 ओवर में 225 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतन:** 1-11, 2-32, 3-139, 4-160, 5-191, 6-192, 7-216, 8-217, 9-217, 10-225, **गेंदबाजी:** सुल्ताना ख़ातून 10-0-49-1, मारुफ़ा अख़्तर 9-0-55-2, नाहिदा अख़्तर 10-1-37-3, राबेया ख़ान 10-0-30-1, फ़ाहिमा ख़ातून 10-0-48-1, शोबना मोस्तारी 0.3-0-2-0.

विनेश-बजरंग को दिल्ली हाईकोर्ट से मिली राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने एशियाई गेम्स के ट्रायल से पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया को दी गई छूट के खिलाफ पहलवान अंतिम पंघाल और सुजीत कलकल की ओर से एक याचिका दायर की गई थी। इसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। इस मामले की सुनवाई के दौरान ही कोर्ट ने साफ कहा कि अदालत इस बात का फैसला नहीं करेगी कि बेहतर पहलवान कौन है? अदालत सिर्फ यह देखेगी कि एशियाई खेलों के लिए पहलवान चयन में पहले से स्थापित और तय प्रक्रिया का पालन हुआ है या नहीं। याचिका खारिज होने के बाद अंतिम पंघाल ने कहा कि मुझे खुशी है कि मैंने एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई कर लिया है, लेकिन साथ ही एशियाई खेलों में हम अपने लिए बेहतर मौकों के लिए लड़ते रहेंगे। हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी है। अब हम कानूनी विकल्पों को तलाशेंगे और सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे। हमारी मांग है कि सभी को उचित मौका दिया जाना चाहिए।

ट्रायल में मिली छूट के खिलाफ दायर अर्जी खारिज

कैरेबियाई बल्लेबाजों का तगड़ा प्रहार

दूसरा टेस्ट: क्रेग ब्रेथवेट ने जड़ी अपने करियर की 29वीं फिफ्टी, मुकेश ने दिया झटका

पोर्ट ऑफ स्पेन, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला पोर्ट ऑफ स्पेन के क्वींस पार्क ओवल में खेला जा रहा है। भारत ने अपनी पहली पारी में 438 रनों का स्कोर खड़ा किया था। विराट कोहली ने भारत के लिए 121 रनों की पारी खेली। जवाब में वेस्टइंडीज ने काफी शानदार बैटिंग की है। क्रेग ब्रेथवेट ने अपने टेस्ट करियर की 29वीं फिफ्टी जड़ दी है।

93 ओवरों की समाप्ति के बाद वेस्टइंडीज का स्कोर चार विकेट पर 196 रन है। डासिल्वा आठ और एलिक अथानाज 22 रन बनाकर खेल रहे हैं। भारतीय टीम ने अश्विन और जडेजा के ओवर में एक-एक रिव्यू भी लिया, लेकिन मैदानी अंपायर का फैसला कायम रहा। भारतीय टीम को तीसरी सफलता आर. अश्विन ने क्रेग ब्रेथवेट को बोल्ड कर दिलाई।

ब्रेथवेट ने 235 गेंदों का सामना करते हुए 75 रन बनाए, जिसमें पांच चौके और एक सिक्स शामिल है। वेस्टइंडीज के कप्तान क्रेग ब्रेथवेट ने 170 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया और इस दौरान उन्होंने चार चौके लगाए। इससे पूर्व बारिश के चलते अंपायरों ने समय से पहले लंच का ऐलान कर दिया।

वेस्ट इंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में विकेट झटकने के बाद मुकेश कुमार को बधाई देते भारतीय टीम के साथी खिलाड़ी।

मैच के दौरान बारिश ने डाला खलल

किर्क मैंकेजी के आउट होने के साथ ही अंपायरों ने खेल को रोक दिया। मुकाबले में बारिश का खलल पड़ा है और मैदान पर कवर्स बिछाए गए। हालांकि अच्छी बात यह है कि धूप भी उगी हुई थी। ऐसे में मुकाबले के जल्द ही शुरू होने की उम्मीद की जा रही थी।

मुकेश कुमार ने दिलाई दूसरी सफलता

इससे पहले भारतीय टीम को दूसरी सफलता डेब्यू मुकाबला खेल रहे मुकेश कुमार ने किर्क मैकेंजी को चलता कर दिलाई। मैकेंजी भी अपना डेब्यू मैच खेल रहे हैं। मैकेंजी का कैच विकेट के पीछे ईशान किशन ने लपका।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी: 438 रन पर ऑलआउट,

वेस्ट इंडीज दूसरी पारी	रन	गेंद	4/6
ब्रैथवेट बोल्ड अश्विन	75	235	5/1
चंद्रपॉल कै.अश्विन बो.जडेजा	33	95	4/0
कर्क कै.किशन बो.मुकेश	32	57	4/1
ब्लैकवुड कै.रहाणे बो.जडेजा	20	92	2/0
ऐथनेज़ नाबाद	22	67	2/0
डासिल्वा नाबाद	8	19	0/0

अतिरिक्त: 6, **कुल:** 93.1 ओवर में 196/4, **विकेट पतन:** 1-71, 2-117, 3-157, 4-178, **गेंदबाज़ी:** मोहम्मद सिराज 14-4-37-0, जयदेव उनादकट 15.1-3-42-0, रवि अश्विन 30-10-57-1, मुकेश कुमार 11-3-29-1, रवींद्र जडेजा 23-10-31-2.

वेस्टइंडीज के खिलाड़ी की मां का विराट पर दिखा लाड़

पोर्ट ऑफ स्पेन। भारत और वेस्टइंडीज दूसरे दिन खेल की समाप्ति के बाद जब टीमें बस से होटल लौट रही थीं तो एक इमोशनल मोमेंट सामने आया, जब विंडीज विकेटकीपर जोशुआ दा सिल्वा की मां विराट कोहली से मिलने के बाद बेहद खुश नजर आईं। उन्होंने विराट के प्रति लाड़ दिखाया। जोशुआ की मां यहीं नहीं रुकी, उन्होंने विराट कोहली को गले लगाया और प्यार से किस किया। वहीं उन्होंने काफी देर तक विराट से बात की। वैसे मैच के पहले दिन ही विराट संग विकेटकीपर जोशुआ दा सिल्वा का वीडियो चर्चा में आया था। दरअसल, जोशुआ दा सिल्वा ने विराट से कहा कि उनकी मां क्वींस पार्क ओवल (पोर्ट ऑफ स्पेन) आएंगी। विराट और जोशुआ के बीच की बात स्टम्प माइक में भी रिकॉर्ड हो गई। यह सुनकर विराट भी हैरान रह गए थे।

लाबुशेन के शतक और बारिश ने टाला ऑस्ट्रेलिया का संकट

एशेज सीरीज, चौथा टेस्ट: इंग्लैंड से अब सिर्फ 61 रन पीछे कंगारू, पांचवें दिन भी बारिश के आसार

मैनचेस्टर, एजेंसी। शतकवीर मार्नस लाबुशेन (111) और बारिश ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे एशेज़ टेस्ट में शनिवार को ऑस्ट्रेलिया की हार की संभावनाओं को काफी हद तक समाप्त कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक पांच विकेट के नुकसान पर 214 रन बना लिए और अब वह इंग्लैंड से सिर्फ 61 रन पीछे है। पांचवें दिन भी बारिश के आसार हैं, जिसके कारण मुकाबला ड्रा हो सकता है।

ओल्ड ट्रैफर्ड पर चौथे दिन सिर्फ 30 ओवर फेंके जा सके, हालांकि यह लाबुशेन के लिए शतक तक पहुंचने के लिए काफी था। लाबुशेन ने 44 नाबाद के स्कोर से आगे खेलते हुए 161 गेंद में अपना शतक पूरा किया। उन्होंने जो रूट की गेंद पर आउट होने से पहले 173 गेंद पर 10 चौकों और दो छक्कों के साथ 111 रन बनाए। इसके बाद मिचेल मार्श और कैमरन ग्रीन ने ऑस्ट्रेलिया का कोई अन्य विकेट नहीं गिरने दिया। मार्श 31 रन बनाने के लिए 101 गेंदें खेल चुके हैं।

स्कोर बोर्ड

ऑस्ट्रेलिया पहली पारी: 317 रन पर ऑलआउट,

इंग्लैंड पहली पारी: 592 रन पर ऑलआउट,

ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारी	रन	गेंद	4/6
(113/4 से आगे)			
लाबुशेन कै.बेयरस्टो बो.रूट	111	173	10/2
स्मिथ कै.बेयरस्टो बो.वुड	17	38	1/0
हेड कै.डकेट बो.वुड	1	7	0/0
मार्श नाबाद	31	107	4/0
ग्रीन नाबाद	3	15	0/0

अतिरिक्त: 5, **कुल:** 71 ओवर में 214/5,
विकेट पतन: 1-32, 2-54, 3-97, 4-108, 5-211, **गेंदबाजी:** जेम्स एंडरसन 17-5-30-0, स्टुअर्ट ब्रॉड 12-2-47-0, मोईन अली 13-2-44-0, मार्क वुड 11-0-27-3, क्रिस वोक्स 12-5-31-1, जो रूट 6-1-32-1.

कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान करना चाहते है सह-मेजबानी

2034 फीफा विश्व कप

अस्ताना, एजेंसी। कजाकिस्तान फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष एडलेट बार्मेनकुलोव ने प्रस्ताव दिया है कि कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान 2034 फीफा विश्व कप की सह-मेजबानी के लिए संयुक्त बोली पेश करने के इच्छुक है। उज्बेक फुटबॉल समाचार पोर्टल चैंपियनैटडॉटएशिया ने कहा है कि श्री बर्मेनकुलोव ने किर्गिस्तान में आयोजित मध्य एशियाई तुर्किक भाषी राज्य फुटबॉल महासंघों के नेताओं की बैठक के दौरान यह प्रस्ताव रखा।

मीडिया ने श्री बर्मेनकुलोव के हवाले से कहा कि हाल के वर्षों में कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान के फुटबॉल महासंघों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध एक नए स्तर पर पहुंच गए हैं। इस दौरान राष्ट्रीय टीमों और क्लबों के बीच मैत्रीपूर्ण मैच आयोजित किए जा रहे हैं।

रोमांचक जीत के साथ सात्विक-चिराग फाइनल में

कोरिया ओपन 2023: चीन के लियांग वेई कैंग और वांग चैंग को मात्र 40 मिनट में किया पराजित

योसू, एजेंसी। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने अपने विजय रथ को आगे बढ़ाते हुए शनिवार को कोरिया ओपन 2023 के फाइनल में कदम रखा। विश्व की नंबर तीन भारतीय जोड़ी ने रोमांचक सेमीफाइनल में अपने से बेहतर रैंकिंग वाले चीन के लियांग वेई केंग और वांग चैंग को मात्र 40 मिनट में 21-15, 24-22 से मात दी। यह शानदार फॉर्म में चल रहे सात्विक-चिराग की लियांग-चैंग के विरुद्ध तीन मुकाबलों में पहली जीत थी। इस साल इंडोनेशिया ओपन और स्विस ओपन के खिताब जीतने वाले सात्विक-चिराग

फाइनल में इंडोनेशिया के शीर्ष वरीयता प्राप्त फजर अल्फियान और मुहम्मद रियान अर्दियांतो से भिड़ेंगे। दूसरी वरीयता प्राप्त चीनी युगल इससे पहले सात्विक-चिराग को दो बार हरा चुका था, लेकिन इस बार दोनों जोड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। पहले गेम में भारतीय जोड़ी की जीत के बाद दूसरे गेम में दोनों पक्षों ने एक के बाद एक अंक अपनी झोली में डाले। मुकाबला 8-8 की बराबरी पर पहुंचते ही चीनी युगल की ओर से थोड़ी अनुशासनहीनता देखने को मिली, जिसका फायदा उठाकर सात्विक-चिराग ब्रेक तक तीन पॉइंट की बढ़त लेने में कामयाब रहे। भारतीय युगल ने जब 14-12 की बढ़त बना ली, तब उनके चीनी प्रतिद्वंदियों ने मुकाबले में वापसी का प्रयास किया।

भोपाल संभाग क्रिकेट संघ का फिटनेस प्रशिक्षण शिविर 1 से

भोपाल, खेल संवाददाता। भोपाल संभाग क्रिकेट संघ के अध्यक्ष ध्रुव नारायण सिंह ने बताया कि गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी भोपाल संभाग क्रिकेट संघ का अपने खिलाड़ियों का वर्षाकालीन प्रशिक्षण शिविर एक अगस्त 2023 से प्रारम्भ किया जाएगा। शिविर में खिलाड़ियों को विशेषज्ञ कोचों से प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। बालकों के लिए प्रदीप देशमुख को संयोजक, जबकि बालिकाओं के लिए सीएस धाकड़ को संयोजक बनाया गया है। बालकों का सत्र टीटी नगर स्टेडियम में सुबह और बालिकाओं का एकांत पार्क में शाम को चार बजे से लगाया जाएगा।

देश में आफत की बारिश

उत्तरकाशी के पुरोला कस्बे के छड़ा खड्ड में बादल फटने से भारी नुकसान की आशंका है। इमारतें, वाहन और सड़कें क्षतिग्रस्त

महाराष्ट्र के यवतमाल में लोगों को निकालने के लिए वायुसेना की मदद लेनी पड़ी। यहां के आनंद नगर गांव में सैकड़ों लोग बाढ़ के पानी में घिर गए हैं।

शिमला जिले के रोहड़ू इलाके में बादल फटने के बाद मलबे में फंसी गाड़ियां।

यवतमाल में दो की मौत, एयरफोर्स के एमआई-17 हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के यवतमाल में भारी बारिश के चलते बाढ़ की स्थिति बनी है। कई घरों में पानी भर गया। एक घर की दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई।बाढ़ में फंसे लोगों को बचाने के लिए एयरफोर्स के एमआई-17 हेलिकॉप्टर को बुलाया गया है। पांच जगहों पर एसडीआरएफ की टीमें तैनात हैं। रायगढ़ के इर्शालवाडी में लैंडस्लाइड से मरने वालों की संख्या 28 हो गई है, 82 लोग लापता हैं। पालघर, मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और रत्नागिरी में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। गुजरात के जूनागढ़ में चार घंटे में आठ इंच बारिश हुई है इससे सड़कों पर पानी भर गया। कई कारें पानी में बहती दिखीं। अमरेली में भी पानी भर गया। वहीं पहाड़ों में भी तेज बारिश का दौर जारी है। उत्तरकाशी और करगिल में शुक्रवार की देर रात बादल फटने की घटना सामने आई। यमुनोत्री हाईवे पर लैंडस्लाइड हो गया और कई गाड़ियां दब गईं। वहीं, स्कूलों में भी मलबा जमा हो गया। बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया। यूपी में बिजनौर के मंडावली में कोटावाली नदी का जलस्तर बढ़ने से एक बस तेज बहाव में फंस गई।

दिल्ली में एक बार फिर बाढ़ का खतरा बढ़ा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में अभी बाढ़ का खतरा टला नहीं है। हथिनी कुंड बैराज से लगातार पानी छोड़े जाने के चलते यहां एक फिर से बाढ़ की स्थिति बन सकती है। शुक्रवार की शाम यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया था लेकिन शनिवार सुबह 9 बजे से यमुना खतरे के निशान से नीचे बह रही है। ऐसे में प्रशासन ने लोगों को यमुना से दूर रहने की सलाह दी है। हथिनी कुंड बैराज से छोड़ा गया साढ़े 5 लाख क्यूसेक पानी: बता दें कि हथिनी कुंड बैराज से आज सुबह 9 बजे 1 लाख 47 हजार क्यूसेक, 10 बजे 2 लाख 9 हजार क्यूसेक और 11 बजे 2 लाख 23 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

गुजरात जूनागढ़

4 घंटे में 8 इंच बारिश गाड़ियां और मवेशी बहे

जूनागढ़। गुजरात के जूनागढ़ में शनिवार दोपहर 4 घंटे में 8 इंच बारिश हुई। इससे पूरा शहर पानी में डूब गया। शहर से सटे गिरनार पर्वत पर 14 इंच बारिश होने से हालात और बिगड़ गए। पहाड़ का पानी जूनागढ़ शहर में पहुंचा तो सड़कों पर खड़ी गाड़ियां तिनकों की तरह बह गईं। जूनागढ़ के निचले इलाकों में 5 से 6 फीट तक पानी भर गया है। भवनाथ क्षेत्र में इसका सबसे ज्यादा असर हुआ है। यहां कई जानवर तेज बहाव में बह गए। कदवा चौक के पास मुबारक पाड़ा का भी यही हाल है। यहां कई मकान डूब गए। तेज बहाव में जूनागढ़ के बीच से गुजरने वाले काले कुंड का पुल बंद किया है। 16 घंटे में नवसारी तालुका में सर्वाधिक 305 मिमी, नवसारी के जलालपोर में 276 मिमी, जूनागढ़ तालुका और जूनागढ़ सिटी में क्रमशः 241-241 मिमी बारिश होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा।

गिरनार पर्वत पर 14 इंच बारिश से आया सैलाब

बालासोर हादसे में 41 शवों की पहचान नहीं

बालासोर। दो जून को ओडिशा के बालासोर में हुए ट्रेन हादसे में 295 लोगों की जान चली गई थी। हादसे को 50 दिन बीत चुके हैं। 41 शवों की पहचान नहीं हो पाई है। एम्स भुवनेश्वर के डायरेक्टर आशुतोष बिस्वा बोले, परिजन शवों को लेने धीरे-धीरे आ रहे हैं। उनका डीएनए सैंपल लेकर शवों को परिजनों को सौंप जा रहा है। वहीं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सिग्नलिंग में गड़बड़ी की वजह से यह ट्रेन हादसा हुआ था।

बांग्लादेश: बस तलाब में गिरी, 17 लोगों की मौत

ढाका,(एजेंसी)। बांग्लादेश के झालोकाटी जिले में शनिवार को एक बस सड़क से फिसलकर जलाशय में गिर गई जिससे कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई और 45 अन्य घायल हो गए। जले के पुलिस प्रमुख मोहम्मद अफरुजुल हक तुतुल ने बताया कि यात्री बस शनिवार सुबह राजधानी ढाका से लगभग 200 किमी दक्षिण में सड़क किनारे जलाशय में गिर गई। इस हादसे में 13 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सभी घायलों को स्थानीय अस्पतालों और क्लीनिकों में ले जाया गया, जहां चार और लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

दिल्ली में 10 करोड़ की विदेशी करेंसी पकड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट पर शुक्रवार को 10 करोड़ रुपए की विदेशी करेंसी पकड़ी गई। ताजिकिस्तान के 3 यात्रियों से 7 लाख 20 हजार डॉलर और 4 लाख 66 हजार यूरो जब्त किए गए। इसकी भारतीय रुपए में कीमत 10 करोड़ रुपए है। तीनों यात्रियों के खिलाफ विदेशी करेंसी की तस्करी का मामला दर्ज किया गया है।

आज का इतिहास

- 1903: फोर्ड मोटर कंपनी ने अपनी पहली कार बेची।
- 1905: अल्फ्रेड डीकीन दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री बने।
- 1906: स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद का जन्म
- 1914: आस्ट्रिया-हंगरी ने सर्बिया को आर्चड्यूक फ्रांज फर्डिनेंड की हत्या की जांच करने के लिए एक अल्टीमेटम के साथ प्रस्तुत किया, कि सिर्बिया अंततः अस्वीकार कर देगा, जिससे प्रथम विश्व युद्ध शुरू हो जाएगा।
- 1940: अमेरिका के अंडर सेक्रेटरी ऑफ स्टेट सुमेर वेल्स ने एक घोषणा पत्र जारी किया कि अमेरिका सोवियत संघ के ब्रेटल राज्यों की घोषणा को मान्यता नहीं देगा।
- 1942: होलोकास्ट-द गैस चैंबर्स ट्रेब्लिंका एक्सट्रिमिनेशन कैंपबेगन ऑपरेशन में, युद्ध से निकाले 6,500 यहूदियों को घेट्टो में एक दिन पहले देखा गया था।

असम में छापे में दो अधिकारी गिरफ्तार, 2.32 करोड़ बरामद

भ्रष्टाचार

भुवनेश्वर, (एजेंसी)। असम के धुबरी जिले में भ्रष्टाचार के मामले में दो सरकारी अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है और उनमें से एक के आवास से करीब 2.32 करोड़ रुपए नकद बरामद किया गया है। बयान में कहा गया है कि शुक्रवार को एक अभियान में गिरफ्तार किए गए दो लोगों में एक असम सिविल सेवा (एसीएस) का अधिकारी था।

इसमें कहा गया है कि सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय को एक शिकायत मिली, जिसमें आरोप लगाया गया कि धुबरी जिला परिषद के सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) बिस्वजीत गोस्वामी ने एक ठेकेदार से रिश्वत के तौर पर उनके द्वारा किये गये कार्यों की कुल बिल राशि का नौ प्रतिशत मांगा था। इसमें कहा गया है कि मामले में जाल बिछाया गया और धुबरी के अतिरिक्त जिला कार्यक्रम प्रबंधक मृणाल कांति सरकार को सीईओ के कार्यालय में कथित तौर पर 30 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया।

बयान में कहा गया है कि एसीएस अधिकारी गोस्वामी को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। इसमें कहा गया है कि गोस्वामी की संपत्तियों की जांच के दौरान 2.32 करोड़ रुपए नकद जब्त किए गए। इसमें संपत्ति की खरीद, कई बैंक खातों और अन्य निवेशों से संबंधित कई दस्तावेज भी मिले हैं। जांचकर्ताओं को बधाई देते हुए, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व शर्मा ने कहा कि निदेशालय अपने भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में सफल रहा है, जिसके परिणामस्वरूप 10 मई, 2021 से उनके कार्यभार संभालने के दिन से अब तक 117 सरकारी कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है।

प्यार और जंग में इतना तो चलता है सीमा के वकील बोले-दें नागरिकता

पाक वाली सीमा ने चला बॉलीवुड वाला दांव, लैला-मंजनू का भी किया जिक्र

नोएडा,(एजेंसी)। सीमा हैदर और उसके आशिक सचिन दोनों को ग्लूकोज चढ़ाया जा रहा है। फिलहाल दोनों बातचीत करने की हालत में नहीं हैं। पाकिस्तान से भागकर भारत आई सीमा हैदर के बारे में हर रोज नए-नए खुलासे हो रहे हैं। शुक्रवार को सीमा-सचिन की शादी की कई तस्वीरें एक साथ वायरल हुई थीं। दरअसल, सीमा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के सामने दया याचिका दायर की है। इसी याचिका के साथ सीमा ने अपनी शादी की तस्वीरें भी जमा की थीं। साथ ही याचिका में सीमा ने बॉलीवुड वाला दांव भी चला है। सुप्रीम कोर्ट के सीनियर वकील एपी सिंह ने सीमा हैदर की वकालत करने का दावा किया है। भारतीय नागरिकता की मांग करने वाली दया याचिका में लिखा गया कि सीमा हैदर को भारत में सचिन के साथ रहने की परमिशन दी जाए क्योंकि भारतीय संस्कृति का उद्देश्य जियो और जीने दो व वसुधैव कुटुंबकम है।

याचिका में लिखा गया है कि सीमा और सचिन ने 13 मार्च को नेपाल में शादी की थी। सीमा हैदर की दया याचिका में बॉलीवुड से जुड़े कई मशहूर लोगों का भी जिक्र है। याचिका में लिखा गया है कि पाकिस्तानी गायक अदनान सामी को भी भारत की नागरिकता दी गई है।

पोते और पोतियों का भविष्य वो तय नहीं करेगी, पाक से सीमा के ससुर ने कहा

एक ओर जहां पाक से सीमा के पति ने उससे वापस आने की गुहार लगाई है तो वहीं दूसरी ओर सीमा ने पति हैदर से कहा कि वह जहां है खुश रहे वह खुश है। अपनी पहली पत्नी के बच्चों को ले जाए और उसे चैन से रहने दे। पाक के सिंध प्रांत के जिले जैकोबाबाद में सीमा हैदर की ससुराल है। यहां स्थित लाल खान झकानी गांव शहर से तकरीबन 60 किलोमीटर की दूरी पर है। इस समय इस इलाके में भारी बारिश में लाल खान झकानी गांव की सड़क कटी है। यहां करीब 100 फैमिली रहती हैं। यहीं सीमा के ससुराल वाले भी रहते हैं।

अमेरिकी इतिहास में पहली बार नौसेना प्रमुख महिला

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पहली बार नौसेना की कमान किसी महिला के हवाले करने का निर्णय करते हुए एडमिरल लिसा फ्रैंचेटी को इस पद के लिए नामित किया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने एडमिरल लिसा फ्रैंचेटी को नौसेना के शीर्ष अधिकारी के रूप में चुना है। यह एक ऐतिहासिक नियुक्ति है जो अमेरिकी नौसेना के इतिहास में इस पद को संभालने वाली पहली महिला और संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ में पहली महिला होगी। सुश्री लिसा फ्रैंचेटी दक्षिण कोरिया में अमेरिकी छठे बेड़े और अमेरिकी नौसैनिक बलों की पूर्व प्रमुख हैं। उन्होंने विमान वाहक स्ट्राइक कमांडर के रूप में भी काम किया है।

हिन्द प्रशांत क्षेत्र में कोई भी देश एकतरफा नियम नहीं बना सकता: एडमिरल हरि

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वियतनाम की यात्रा पर गए नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा है कि हिन्द प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता को लेकर भारत तथा वियतनाम मिलकर काम कर रहे हैं तथा इस क्षेत्र में कोई भी देश अपने हितों के अनुसार एकतरफा बदलाव या नियमों की व्याख्या नहीं कर सकता।

एडमिरल कुमार ने शनिवार को वियतनाम के कैम रॉन में भारतीय नौसेना के युद्धपोत 'कृपाण' को सेवा मुक्त करने और इसे वियतनाम पीपुल्स नेवी को सौंपने के समारोह की अध्यक्षता की।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हिन्द प्रशांत क्षेत्र के बारे में दोनों देशों के विचारों में समानता है। दोनों देश इसे केवल एक भौगोलिक संरचना के बजाय एक एकीकृत क्षेत्र में रूप में देखते हैं।

हाईकोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए पोक्सो मामले में आरोपी की जमानत की रद्द

ईटानगर, (एजेसी)। अरुणाचल प्रदेश में 21 बच्चों के यौन उत्पीड़न के आरोपी एक हॉस्टल वार्डन को जमानत दिए जाने से हैरान गौहाटी उच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेते हुए विशेष पॉक्सो अदालत की ओर से आरोपी को दी गई जमानत अर्जी रद्द कर दी है। यह घटनाक्रम अरुणाचल के शि-योमी जिले के मोनिगोंग के कारो गांव के सरकारी आवासीय विद्यालय के छात्रावास वार्डन और आरोपी युमकेन बागरा को जमानत देने के संबंध में समाचार लेखों के बाद आया। युमकेन पर वर्ष 2019 से 2022 के बीच 6 से 12 वर्ष की आयु के 21 बच्चों (15 लड़कियों और 6 लड़कों) का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है।.आरोपी, जिस पर 21 बच्चों पर कथित तौर पर यौन हमला करने के लिए यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम, 2012 की धारा 10/12/14/ (1) /15 (1) / 2 के तहत आरोप लगाया गया था, को गत 23 फरवरी को विशेष अदालत ने जमानत दे दी थी।

नासा का मार्स हेलीकॉप्टर मंगल ग्रह पर उड़ान भरेगा

लॉस एंजिल्स (एजेंसी)। नासा के मार्स हेलीकॉप्टर की रविवार को मंगल ग्रह (रेड प्लानेट) पर एक नई उड़ान भरने की उम्मीद है। एजेंसी ने यह जानकारी दी है।

नासा एजेंसी के अनुसार हेलीकॉप्टर को अपनी नई उड़ान में 10 मीटर की ऊंचाई तक पहुंचने और 203 मीटर की यात्रा करने के लिए लगभग 137 सेकंड लेने की उम्मीद है। जो मंगल ग्रह पर यह 53वीं उड़ान है। इनजेन्युटी मार्स हेलीकॉप्टर 18 फरवरी, 2021 को मंगल ग्रह के जेज़ेरो क्रेटर पर पहुंचा, जो नासा के पर्सीविरंस रोवर से जुड़ा हुआ था। यह हेलीकॉप्टर पहली बार किसी अन्य ग्रह पर संचालित उड़ान का परीक्षण करने के लिए टेक्नोलॉजी प्रदर्शन पर जा रहा है। नासा के अनुसार हेलीकॉप्टर को एक बार में लगभग 300 मीटर की दूरी और सतह से लगभग तीन से 4.5 मीटर की दूरी 90 सेकंड में उड़ान भरने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

रेलवे लाने वाली है एलएचबी रैक वाले पुश-पुल ट्रेन सेट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने वंदे भारत एक्सप्रेस के ट्रेन सेट के बाद अब एलएचबी कोच के ट्रेन सेट बनाने की एक महत्वाकांक्षी योजना बनाई है जिसमें दोनों ओर 6000 हॉर्सपावर वाले पी-5 विद्युत इंजनों को लगाया जाएगा जिससे ट्रेन 160 किलोमीटर प्रतिघंटा से अधिक गति से दौड़ने में सक्षम होगी।

आधुनिकीकरण

ये पुश-पुल ट्रेन सेट के लिए इंजन यानी लोकोमोटिव भी विशेष रूप से तैयार कराये जा रहे हैं। चितरंजन लोको कार्यशाला में इस पुश-पुल एलएचबी ट्रेन सेट का पहला प्रोटो टाइप इस वर्ष अक्टूबर नवंबर में तैयार हो जाएगा। ट्रेन सेट में अंदर कोचों की संख्या या उनके प्रकार अलग अलग रह सकते हैं या उन्हें अलग अलग जरूरत के हिसाब से लगाया जा सकता है।

Filmiतड़का

रणवीर-आलिया फिल्म के प्रमोशन के लिए आए बरेली

बरेली, (ब्यूरो)। बालीवुड अभिनेता रणवीर सिंह और अभिनेत्री आलिया भट्ट अपनी नयी फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के प्रमोशन के सिलसिले में शनिवार को झुमका नगरी बरेली पहुंचे। परसाखेड़ा स्थित झुमका तिराहे पर अपने चेहते सितारों को देखने हजारों दर्शक पहुंचे। कार से उतरने के बाद दोनोने हाथ उठाकर अपने प्रशंसकों का अभिवादन किया और नयी फिल्म देखने की आग्रह किया। वर्ष 1966 में फिल्म मेरा साया मैं फिल्माया गया गाना झुमका गिरा रे बरेली के बाजार... में काफी लोकप्रिय हुआ है। अब रॉकी रानी से बनी फिल्म प्रेम कहानी में व्हाट्स झुमका गाना फिल्माया गया है। नया गाना जोनिता गांधी और अर्जित सिंह द्वारा गाया गया है। फ़िल्म रॉकी रानी 28 जुलाई को रिलीज होने जा रही है। इसलिए फिल्म प्रमोशन करने दोनों मशहूर अभिनेता और अभिनेत्री बरेली पहुंचे थे।

सारा ने खरीदा नया ऑफिस कीमत डेढ़ करोड़ के करीब

मुंबई। सारा अली खान आज बॉलीवुड की बेहतरीन एक्ट्रेसस में से एक हैं, जिन्हें आखिरी बार 'जरा हटके जरा बचके' में देखा गया था, हाल ही में अपनी मां अमृता सिंह के साथ स्पॉट की गईं। कथित तौर पर, माँ-बेटी की जोड़ी मुंबई में सारा अली खान के लिए एक ऑफिस की तलाश में थी। खबरों की मानें तो बॉलीवुड डिवा ने शहर में एक नया ऑफिस खरीदा है। हालांकि ऑफिस की डिटेल अभी तक सामने नहीं आई है, एक्ट्रेस ने मुंबई में एक शानदार स्थान चुना। केदारनाथ एक्ट्रेस अब मुंबई में लोटस डेवलपर द्वारा लोटस सिग्नेचर में एक शानदार ऑफिस की मालिक हैं. निर्माता और रियल-एस्टेट एजेंट आनंद पंडित इस स्थान के मालिक हैं। हालांकि एक्ट्रेस ने इस तरह का कुछ भी खुलासा नहीं किया है।

यासीन मलिक को कोर्ट ले जाने पर 4 अफसर सस्पेंड

बिना बुलाए तिहाड़ से सुप्रीम कोर्ट ले जाया गया था

नई दिल्ली। दिल्ली के तिहाड़ जेल प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट में यासीन मलिक की व्यक्तिगत पेशी मामले में लापरवाही को लेकर शनिवार को 4 अफसरों को सस्पेंड कर दिया है। इनमें एक डिप्टी सुपरिन्टेंडेंट, 2 असिस्टेंट सुपरिन्टेंडेंट और एक अन्य अधिकारी शामिल है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने 21 जुलाई को होम सेक्रेटरी अजय भल्ला को चिट्ठी लिखकर सवाल उठाया था कि सुप्रीम कोर्ट के बुलाए बिना यासीन को कोर्ट क्यों लाया गया? मेहता ने इसे सुप्रीम कोर्ट की सुरक्षा में गंभीर चूक बताया था। उन्होंने चिट्ठी में लिखा, यासीन जैसा आतंकी और अलगाववादी नेता, जो न केवल टेरर फंडिंग मामले में दोषी है, बल्कि पाक में आतंकी संगठनों के साथ संबंध रखता है, वो भाग सकता था, जबरन ले जाया जा सकता था या मारा जा सकता था।

पार्टी हर कीमत पर बूथ कमेटी के सदस्यों के सम्मान की रक्षा करेगी : राम अचल राजभर

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। संगठन की समीक्षा करने आये अपने तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं जनपद प्रभारी राम अचल राजभर ने आज दिनांक 23 जुलाई को मुहम्मदाबाद विधानसभा संगठन की समीक्षा अंसारिया बालिका इंटर कालेज मुहम्मदाबाद और जहूराबाद विधानसभा के संगठन की समीक्षा कासिमाबाद स्थित शिवम् पैलेस में करते हुये कहा कि बूथ इकाई संगठन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। बूथ इकाई की जिम्मेदारी सबसे बड़ी होती है। बूथ का कार्यकर्ता पार्टी की रीतियों और नीतियों तथा पार्टी की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में और चुनाव के दिन विरोधी और पुलिस की लाठी गोली खाकर भी पार्टी के पक्ष में मतदान कराने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने पार्टी के जनप्रतिनिधियों और जिला संगठन की ओर इंगित करते हुए कहा कि बूथ प्रभारी के सम्मान की रक्षा करना आपका नैतिक दायित्व है। उनके सम्मान में लापरवाही और कोताही ठीक नहीं होगी। पार्टी हर कीमत पर बूथ कमेटी के सदस्यों के सम्मान की रक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि संगठन के ढीले पड़े हुए पेंच को समय रहते हुए कस ले। सांगठनिक कार्यों में लापरवाही कत्तई बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई दरिंदगी की चर्चा करते हुए कहा कि मैंने सुना था कि जब रोम जल रहा था तो वहां का क्रूर शासक नीरो बंशी बजा रहा था लेकिन आज हकीकत में देख रहा हूं कि मणिपुर जल रहा है और साहेब दुनिया की सैर पर है। उन्होंने कहा कि देश में इतनी संवेदनहीन सरकार कभी भी नहीं रही। उन्होने भाजपा सरकार को दलितों - पिछड़ों और अल्पसंख्यकों का विरोधी बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार बाबा साहेब का संविधान बदलने का षड्यंत्र कर रही है। यह सरकार दलितों और पिछड़ों को मिलने वाले आरक्षण को खत्म करना चाहती है।सभी लोगों को एकजुट होकर भाजपा सरकार को सत्ता से बेदखल करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर और डॉ. राम मनोहर लोहिया, नेता जी मुलायम सिंह यादव के रास्ते पर चलकर दलितों-पिछड़ों के हक की लड़ाई लगातार लड़ रही है और उसी लड़ाई को आगे बढ़ाते हुए समाजवादी पार्टी लगातार केन्द्र और प्रदेश सरकार से जातीय जनगणना कराने की मांग को लेकर संघर्ष छेड़ रक्खीं है, ताकि समाज के सभी लोगों को उनकी आबादी के हिसाब से उनका हक दिलाया जा सके। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने दलितों, पिछड़ों को मिलने वाला आरक्षण लगभग खत्म कर दिया है। उन्होंने सभी दलितों -पिछड़ों और अल्पसंख्यक समाज के लोगों से समाजवादी पार्टी के पक्ष में लामबंद होने के लिए आह्वान किया। उन्होंने ने कहा कि लोकतंत्र, समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता तीनों एक दूसरे के पूरक हैं। वर्तमान भाजपा सरकार इन तीनों पर लगातार हमला कर रही है। हमें लोकतंत्र को कमजोर करने वाली ताकतों को अपने संघर्ष डॉ. भीमराव अम्बेडकर, डॉ. लोहिया और नेता मुलायम सिंह के बताये रास्ते पर चलकर इनका मजबूती से जवाब देना होगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी आंदोलन व्यवस्था परिवर्तन और सामाजिक न्याय की लड़ाई है। उन्होंने वर्तमान दौर को बदलने के लिए युवाओं से आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कहा कि आज देश गंभीर परिस्थितियों के दौर से गुजर रहा है। इस देश का लोकतंत्र, संविधान और देश का धर्मनिरपेक्ष स्वरूप खतरे में है।

शिविर लगा के 213 मरीजों का इलाज कर मुफ्त में बांटी दवाईयां

प्रखर जलालपुर जौनपुर। जलालपुर क्षेत्र के त्रिलोचन महादेव मंदिर परिसर और चंवरी बाजार मे शिविर लगा कर मरीजों का इलाज कर मुफ्त मे दवाईया बांटी गयी। रविवार के सुबह जलालपुर बाईपास स्थित कृशु मल्टीस्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार यादव और डाक्टर स्वाती यादव के द्वारा त्रिलोचन महादेव परिसर और चंवरी बाजार मे स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान स्त्री रोग, चमड़ी रोग, हड्डी रोग, स्वांस रोग के मरीजों के खून जाँच कर मुफ्त मे दवा वितरण किया गया। डाक्टर धर्मेंद्र कुमार यादव ने कहा की गरीबो, असहायो का इलाज कम खर्च मे किया जाता हैं शिविर मे दो सौ तेरह मरीजों को देखा गया। शिविर मे अमन यादव, संजय यादव, पंकज रहे।

रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल द्वारा दवा एवं स्वास्थ्य सामग्री का सहयोग, एनडीआरएफ के काशी विश्वनाथ धाम स्वास्थ्य शिविर में जारी है सेवा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल द्वारा काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में एनडीआरएफ द्वारा संचालित दर्शनार्थी स्वास्थ्य सेवा शिविर में विभिन्न तरह की दवाओं एवं स्वास्थ्य सामग्री का सहयोग किया गया` सर्दी, जुकाम, बुखार, बदन दर्द, उल्टी, दस्त, एंटीबायोटिक, आईड्रॉप, एंटीसेप्टिक क्रीम, पट्टियां, डिटॉल आदि यह दवाएं डीआईजी एनडीआरएफ मनोज कुमार शर्मा की उपस्थिति में प्रदान की गईं क्लब के अध्यक्ष अविनाश मेहरोत्रा ने बताया की सावन माह में काशी विश्वनाथ धाम में पधार रहे लाखों दर्शनार्थियों की सेवा हेतु एनडीआरएफ का यह शिविर उल्लेखनीय काम कर रहा है और रोटरी सदैव ही ऐसी हर सेवा

के लिए तत्पर रहता है` वरिष्ठ सदस्य शिशिर बाजपेयी, दिनेश गर्ग, दीपक बजाज, सीए ए के ठुकराल, उदय राज सिंह, नीरज अग्रवाल आदि के सहयोग से इन दवाओं को एकत्र किया गया कार्यक्रम का संयोजन रो. राजेश मेहरोत्रा ने किया जुलाई महीने को रोटरी द्वारा मातृत्व व बाल देखभाल माह के रूप में मनाया जाता है और उसी के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं` इस अवसर पर क्लब सचिव शशि साह, कोषाध्यक्ष मनोज निगम, शिशिर बाजपेई, प्रदीप अग्रवाल, दिनेश गर्ग, संजीव माहेश्वरी आदि उपस्थित रहे।

विलुप्त होती जा रही सावन की कजरी व झूले

प्रखर तमकुही, कुशीनगर। एक दौर था जब सावन के शुरू होते ही बारिश की फुहारों संग पेड़ों पर झूले व कजरी का मिठास पूरे वातावरण में घुल जाया करती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। मानसून की बेरुखी के साथ ही सावन बीत रहा है, लेकिन न कहीं झूला और न ही कहीं कजरी के बोल ही सुनाई पड़ रहे हैं। परंपराएं लुप्त होती जा रही हैं। क्षेत्र के रजवटिया निवासी लीलावती ने बताया कि पहले गांव की लड़कियां सावन का इंतजार करती थीं। भोजपुरी में बात करते हुए कहा कि सावन के आवते हर घर में झूला डाल के नया नया कनिया संगे गांव के लईकी सब झूला झूलत कजरी के गीत सब गावत गावत रहली ,जवन बड़ा निक लागत रहे। कजरी में पिया मेंहदी मंगा द मोती झील से, जाई के साइकिल से ना, पिया मेंहदी मंगा द, छोटकी ननदी से पिसा द, हमरा हथवा पर चढ़ा द, कांटा कील से, हरि हरि बाबा के दुवरिया मोरवा बोले ए हरि आदि काफी प्रचलित रही। कजरी गीत नई नवेली दुल्हन के साथ गांव की लड़कियां गाकर हास्य परिहास के साथ मनोरंजन किया करती थी। यही नहीं खेतों में सोहनी के समय महिला मजदूर भी कजरी गीत गाकर सावन का जश्न मनाती थीं। लेकिन आज झूला और कजरी बीते जमाने की बात हो गई है। ननंद भौजाई का रिश्ता नदी के दो पाटों की तरह हो गए हैं। बभनौली निवासी रामअवधेश सिंह ने बताया कि पहले प्रेम घर में ही नहीं आस पड़ोस में भी था। टोला भर की लड़कियां एक जगह इकट्ठा होकर कजरी गायन करती थीं। लेकिन आज प्रेम का अभाव साफ दिखता है। समय के अभाव के चलते कजरी गीत तो दूर कई घरेलू परंपराएं दूर होती जा रही हैं। पहले संयुक्त परिवार था एक परिवार में 10 लोग थे सब लोग एक जगह मिल बैठकर बातों बातों में ही हास परिहास शुरू कर देते थे पर आज संयुक्त परिवार टूटता जा रहा है और एकांकी परिवार लोक परंपराओं को निभाने का समय ही नहीं दे पाता हैं। पहले भारतीय शिक्षा पद्धति के अनुसार पढ़ाई होती थी , अब अंग्रेजी की पढ़ाई हो रही है। बच्चों को इन लोक विधाओ की जानकारी नही है, पाश्चात्य संस्कृति पाव पसार चुकी हैं। विभिन्न तरह के काम से फुर्सत ही नहीं मिलती है, कजरी के लिए अब गांवों में माहौल ही नहीं रहता है।

मिथिला नगरी निहाल सखिया, विवाह महोत्सव पर झूमे श्रद्धालु

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। जगतगंज स्थित सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के खेल मैदान में उत्सव का माहौल रहा` अवसर था मानस मर्मज्ञ पूज्य राजन जी महाराज के पावन सानिध्य में चल रही नौ दिवसीय सरस श्रीराम कथा के पांचवें दिन श्री सीताराम विवाह महोत्सव का कथा प्रसंग में राम विवाह के अवसर पर कथा पण्डाल में उपस्थित हजारों भक्त पीले वस्त्र में, सिर पर लाल पगड़ी पहन खुद को अवधवासी बना प्रभु के बारात में शामिल धन्य महसूस करते रहें वही कुछ भक्त मिथिलावासी बन कर बारातियों के स्वागत में निहाल दिखलाई पड़े` व्यासपीठ से मंगल गीतों पर हर भक्त मंत्रमुग्ध होकर विवाह महोत्सव के रंग में डूबते उतराते रहे इस मौके पर राजन जी महाराज ने 'मिथिला नगरिया निहाल सखिया' आदि गीतों से माहौल को राममय बना दिया` राजन जी महाराज ने कहा कि भगवान लौकिक प्रेम से नही बल्कि अलौकिक प्रेम से अघाते है जिस प्रेम में कुछ मांगने की प्रवृति समाप्त हो जाये वही सच्चा प्रेम है जिससे प्रेम करते है उसपर अर्पण, तर्पण और समर्पण करते है वही प्रेम अलौकिक प्रेम बनता है` सच्चे प्रेम के सामने सारे नियम टूट जाते है उन्होंने कहा कि मैं व्यक्ति के अभिमान को बढ़ाता है मैं नाम के अहम ने बड़ी से बड़ी सत्ता को समाप्त कर दिया है तो साधारण मनुष्य की क्या बिसात है` प्रभु श्रीराम ने मैं का अहम त्याग कर परशुराम के क्रोध को शांत कर दिया था उन्होंने यह भी कहा कि व्यक्ति को कभी भी कृतघ्न नही होना चाहिए, कृतज्ञता व्यक्ति को श्रेष्ठ बनाती है जीवन मे किसी ने एक बार भी उपकार कर दिया तो आजीवन उनके प्रति कृतज्ञ बने रहना चाहिए राजन जी महाराज ने कहा कि मानव जीवन का सबसे बड़ा ऐश्वर्य भगवान की भक्ति है। उससे बड़ी कोई संपत्ति नही है` कथा मे सीताराम विवाह महोत्सव के अवसर पर छप्पन भोग भी लगाया गया आरती के उपरांत भक्तों में प्रसाद भी वितरित किया गया इन्होंने उतारी आरती` कथा का शुभारंभ नित्य की भाँति यजमान परिवार द्वारा व्यासपीठ के पूजन से हुआ` मुख्य यजमान सुमित

सराफ, रुचि सराफ, विनोद सराफ, इंदु सराफ, अनूप सराफ, सरिता सराफ, अजय लिल्हा, गोपाल कृष्ण केडिया, अरुण सरावगी, अरुण सिंह ने सपत्नीक किया` आरती में मुख्य रूप से लोक सेवा आयोग के सदस्य आर.एन त्रिपाठी, डीएसपी महराजगंज विंध्याचल पाठक, एसपी सुरक्षा (ज्ञानव्यापी) सूर्यकांत त्रिपाठी, पूर्व डीएसपी अशोक राय, रजिस्ट्रार विजय शर्मा, जोनल अधिकारी दशाश्वमेध राजेश अग्रवाल, प्रो. सभ्यसाँची त्रिपाठी, भरत सराफ, राधेगोविंद केजरीवाल, दीपक बजाज, लक्ष्मीकांत मिश्रा किशमिश गुरु, राजेश तुलस्यान, अजय खेमका, सुरेश तुलस्यान, मनोज बजाज, संदीप शर्मा, वेदमूर्ति शास्त्री, अजय यादुका, कृष्ण कुमार काबरा आदि शामिल हुए।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली भाजपा सरकार में बहन बेटियों पर हो रहा नृशंस अत्याचार!

प्रखर जौनपुर। समाजवादी महिला सभा की जिलाध्यक्ष शर्मिला यादव के नेतृत्व में मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई वीभत्स एवं अमानवीय घटना के विरोध में समाजवादी महिला सभा ने समाजवादी पार्टी कार्यालय से कोतवाली होते हुए सदभावना पूल तक कैंडल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया । वहीं शर्मिला यादव ने कहा भाजपा सरकार मे महिलाये सुरक्षित नहीं है लगातार जिस प्रकार से महिलाओं के ऊपर अत्याचार हो रहा है लेकिन भाजपा सरकार मौन बनीं हुई हैं जिस तरह मणिपुर की घटना ने देश की महिलाओं के अंदर डर का माहौल पैदा कर दिया है। महिलाएं अब घर से बाहर निकलने से घबरा रही हैं हालत यह हो गया है कि महिलाएं अगर घर के बाहर निकली है तो जब तक अपने घर नहीं पहुंच जाती तब तक घर वाले दहसत की जिन्दगी जीते हैं भाजपा सरकार में बिना पूरुष सुरक्षा के साथ महिला घर से नहीं निकल सकती अब हम लोग विवश होकर बेटियों को स्कूल और कोचिंग सेंटर भेजने पर रोक लगाना होगा क्योंकि बेटियों को सुरक्षित रखना है तो घर पर ही रखना होगा।कहा कि भाजपा सरकार में महिलाओं की सुरक्षा के बारे में सोचना बेईमानी होगी क्योंकि भाजपा की सरकार में बहन बेटियों की इज्जत लूट रही है बाजार में? भाजपा नेता एसी में बैठ कर अपराधियों को बचा रहे हैं हर हाल में भाजपा का चरित्र समाजवादी महिला सभा खोलेगी बाजार में घर घर जायेंगे महिलाओं को जगायेंगे । कैंडल मार्च में मुख्य रूप से पूनम मौर्या,मालती निषाद तारा त्रिपाठी सोनी यादव ममता भारती सुषमा भारती कुसुम पाल माधुरी गुप्ता रिया सरोज आरती मौर्या सविता कनौजिया नीलम यादव समेत निवर्तमान जिलाध्यक्ष डां अवधनाथ पाल,राजेन्द्र टाइगर, राहुल त्रिपाठी, राजन यादव श्रवण जयसवाल, इर्शाद मंशुरी, राजेश यादव दीपचंद राम,साजिद अलीम अनवारुल गुड्डू, डां जंगबहादुर यादव समर बहादुर यादव लाल मोहम्मद रानी अजमत अली आदि लोग उपस्थित रहे।

लायंस क्लब वाराणसी सिटी का 34वां अधिष्ठान समारोह नंद गांव सारनाथ में संपन्न

प्रखर वाराणसी। लायंस क्लब वाराणसी सिटी का 34 वां अधिष्ठान समारोह दिनांक 23 जुलाई 2023 को नंद गांव सारनाथ वाराणसी में धूमधाम से मनाया गया प्यारी बच्ची का मायरा सिंह द्वारा इस वंदना से प्रारंभ समारोह का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन से किया गया ध्वज वंदना मनीष सिंह द्वारा एवं नैतिक सिद्धांत शशि मेमन द्वारा प्रस्तुत कर राष्ट्रीयता एवं नैतिकता का बोध कराया गया. निवर्तमान अध्यक्ष लायन की जयंथी द्वारा अतिथियों का स्वागत के पश्चात वर्ष पर्यंत सहयोग के लिए सबको विशेष आभार प्रकट किया गया अपने मनमोहक सरल एवं अनूठे अंदाज से अधिष्ठान अधिकारी उप मल्टीपोल काउंसलिंग चेयरमैन सौरव कानने अध्यक्ष कृष्ण बल्लभ दास सोनावाला सचिव अनिल टंडन व कोषाध्यक्ष राजीव अग्रवाल एवं संपूर्ण टीम को उनके कर्तव्यों

को बताते हुए शपथ दिलाकर अधिष्ठापन किया अपने उद्बोधन में कहा कि वाराणसी सिटी मॉडल क्लब है परंतु इसके प्रत्येक कार्य एक मॉडल है जिसका अधिष्ठापन कराकर मैं गवर्नमेंट हो रहा हूं क्लब द्वारा दो नए क्लब लायंस क्लब का शिव लायंस क्लब बनारस को प्रायोजित करने के लिए विशेष बधाई दी मुकुंद लाल टंडन प्रकाश टंडन शिव कुमार अग्रवाल कृष्ण बल्लभ दास सोना वाला गोपालदास अग्रवाल एलसीआई अपने योगदान के लिए उनको सम्मानित किया गया क्लब की परियोजना लायंस नेत्र बैंक मंडल 321 का एकमात्र बैंक है जो कि लायंस के सानिध्य में लोगों को प्रदान कर रहा है मुख्य वक्ता गैट एरिया लीडर डॉ क्षितिज शर्मा लायंस लीडर्स अपने जीवन में अनुशासन स्वच्छता एवं जरूरतमंदों की सेवा के प्रति समर्पण की भावना को आत्मसात करके अच्छा लीडर बन सकता है मुख्य अतिथि मंडल अध्यक्ष लायन जी एन श्रीवास्तव ने निर्वाचित टीम एवं सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए मंडल के नारे सर्व विद प्राईड का आवाहन किया एवं मंडल प्रोग्राम को प्रमाणित कर समाज के उत्थान में योगदान देने के लिए प्रेरित किया दीक्षा अधिकारी प्रथम उपमंडल लायन बलबीर सिंह बग्गा ने नए सदस्यों को सेवा के प्रति समर्पण की शपथ दिलाकर क्लब के लायन सदस्य के रूप में मनोनीत किया उन्होंने कहा कि यह मंडल का मार्ग निर्देशन क्लब है सम्मानित अतिथि उप मंडल अध्यक्ष डॉ दुबे ने साथ साथ मिलकर सेवा कार्य करने का आह्वान किया।

शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी में खंड शिक्षा अधिकारी को किया गया सम्मानित

प्रखर वाराणसी। प्राथमिक विद्यालय धरसौना में आयोजित शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी में खंड शिक्षा अधिकारी चोलापुर का दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर चोलापुर ब्लॉक के शिक्षक, शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सकलदेव सिंह, मंत्री शैलेंद्र विक्रम सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष जितेंद्र सिंह एवं ब्लॉक मंत्री रमेश यादव राकेश चंद्र पाठक ने मोमेंटो एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया इस अवसर पर समस्त शिक्षकों ने ब्लॉक को शैक्षिक गुणवत्ता में अग्रसर रखने का संकल्प किया अपने अपने विचार व्यक्त करते हुए जिला अध्यक्ष,एवम जिला मंत्री, शैलेंद्र विक्रम सिंह ने शैक्षिक गुणवत्ता पर प्रकाश डाला, इस अवसर पर अकुंठ सिंह, समस्त ए आर पी, शेखसाफिक, उमाकांत, धनंजय कुश, राजीव, दिनेश, दुर्गेश चौबे, संजीव पाठक, वंदना हेमलता, सरिता, चंद्रजीत यादव, वसंत यादव समेत सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे संचालन राकेश पाठक एवम अध्यक्षता देवेंद्र सिंह संरक्षक ने की।

संक्षिप्त खबरें

डिग्री कॉलेज में हुआ प्राचार्य की निगरानी में वृक्षारोपण कार्यक्रम

प्रखर जौनपुर। शाहगंज फरीदुल हक मेमोरियल पी.जी.कॉलेज तालीमाबाद सबरहद शाहगंज जौनपुर में विशाल रूप में वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ तबरेज आलम द्वारा पेड़ लगाकर किया गया, इस मौके पर कॉलेज प्रांगण में मौल श्री,नीम, जामुन, आम, गुलमोहर आदि के दर्जनों पेड़ लगाए गए। प्राचार्य ने कहा कि पेड़ पौधे लगाने के साथ उनकी देख रेख,उनका संरक्षण जरूरी है।तब ही पेड़ लगाओ मिशन कामयाब होगा। उक्त मौके पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अमित कुमार गुप्ता,डॉ0 अनामिका पांडेय ,उप प्राचार्य डॉ0 निजामुद्दीन, राम चन्द्र मौर्य, गीता देवी,सुनीता यादव आदि ने कार्यक्रम को सुचारूप से सम्पन्न कराने में विशेष योगदान दिया। इस मौके पर कॉलेज के छात्र छात्राएं भी पेड़ लगाने में बड़ चढ़ कर उत्साह के साथ अपना योगदान दी।

मंदुपुर गांव में विकास कार्यों की जांच करने पहुंची टीम

प्रखर चंदवक जौनपुर। मंदुपुर गांव मे जिलाधिकारी द्वारा नियुक्त जांच टीम ने गांव में भ्रमण कर जांच किया प्रधान राजेश रत्न सिंह के ऊपर गांव के ही शैलेन्द्र सिंह ने विकास कार्यों मे धांधली कर लाखो रुपए सरकारी धन को निकाल लेने आरोप लगाया है। आरोप है कि मनरेगा कार्य मे फर्जी तरीके से बिना कार्य कराये धन का भुगतान बिना बनाये धरातल पर खड़ंजा दिखाकर भुगतान ऐसे अन्य कार्यों का भुगतान फर्जी तरीके से कराया है। जिलाधिकारी द्वारा गठित जांच टीम ने मंदुपुर गांव घूम कर जांच पड़ताल किया है। इस संदर्भ में जब नियुक्त जांच अधिकारी से जांच के बारे मे पूछा गया तो बताया की जांच की जा रही हैं।कुछ टेक्निकल जांच अभी बाकि है होने पर तभी पता चल पायेगा। वही ग्राम प्रधान ने राजेश रत्न सिंह ने बताया की लगाया गया सारा आरोप निराधार हैं बिपक्षी द्वारा साजिस कर ग्राम विकास के कार्य को अवरुद्ध किया जा रहा है। वही दो माह से विकास कार्य रुकवा गया हैं। पैसे से अधिक कार्य ग्रामपंचायत मे करवा चूका हु। लगया गया सारा आरोप निराधार है।

घर का ताला तोड़ लाखों के जेवरात व नगदी उठा ले गए चोर

प्रखर बिन्द्राबाजार/आजमगढ़। गंभीरपुर थाना क्षेत्र के परशुरामपुर गांव में एक व्यक्ति के घर शनिवार की रात्रि में अज्ञात चोरों ने घर में घुसकर लाखों रुपए के जेवरात समेत नकदी लेकर फरार हो गए। बताते चलें कि थाना क्षेत्र गंभीरपुर के परशुरामपुर गांव मे पतिराम सरोज पुत्र मुंशी सरोज प्रतिदिन की भांति शनिवार की रात्रि खाना खाने के बाद सपरिवार छत पर सोने चले गए रात्रि में घर के पिछले दरवाजे से अज्ञात चोर घुसे और बड़े बक्से को तोड़कर उसने रखा गहना, नगदी लेकर फरार हो गए सुबह जब परिवार के लोगों की नींद खुली तो घर में बिखरा पड़ा सामान देखकर अवाक रह गए। इसकी सूचना पतिराम ने गंभीरपुर पुलिस को दिया पुलिस पहुँचकर जब खोजबीन किया तो घर के पीछे कुछ दूरी पर सफेदा के पेड़ के नीचे छोटा बक्सा व कुछ सामान बिखरा पड़ा हुआ था। पतिराम के मुताबिक संजय सरोज की पत्नी अनीता का 2 जोड़ी मीना, 4 जोड़ी पायल, एक हार, 5,000 नगद व प्रकाश की पत्नी चंद्रकला का दो सोने की चैन, बाली, आयरन, दो पायल, एक हार, दो बाली, एक मंगलसूत्र, मीना, तथा 3000 नगद व सहारा बैंक के कुछ जरूरी कागजात लेकर फरार हो गए। खबर लिखे जाने तक चोरी के संदर्भ में परिवार के तरफ से कोई तहरीर नहीं पड़ी थी।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं